Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-21, अंक-10 16-31 मई, 2026 (पाक्षिक) ₹20

पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में शपथ ग्रहण समारोह

‘बंगाल, असम और पुडुचेरी की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु प्रतिबद्ध’

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में 9 मई, 2026 को भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह एवं अन्य वरिष्ठ नेतागण

गुवाहाटी में 12 मई, 2026 को असम सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित होते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह, श्री अमित शाह एवं अन्य वरिष्ठ नेतागण

पुडुचेरी में 13 मई, 2026 को एनडीए नेता श्री एन. रंगासामी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी.एल. संतोष एवं अन्य वरिष्ठ नेतागण

भुवनेश्वर (ओडिशा) में 18 मई, 2026 को 'पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान' कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन का स्वागत करते ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री मनमोहन सामल

गांधीनगर (गुजरात) में 18 मई, 2026 को विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

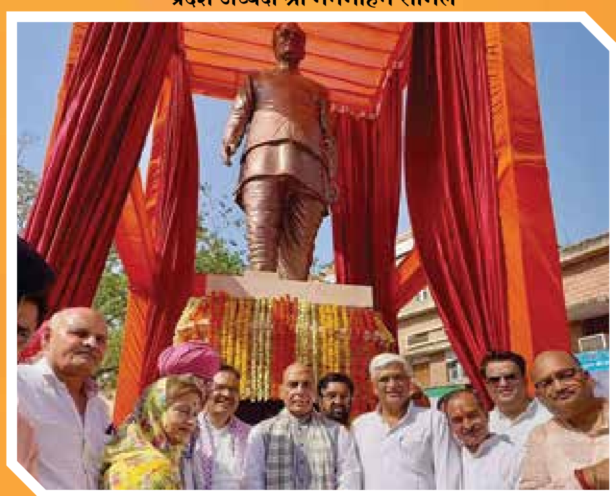

जोधपुर (राजस्थान) में 14 मई, 2026 को भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री भैरों सिंह शेखावत की प्रतिमा का अनावरण करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

सहायक संपादक
विपुल शर्मा
राजीव कुमार

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

प्रसार एवं सदस्यता
अमित सक्सेना

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

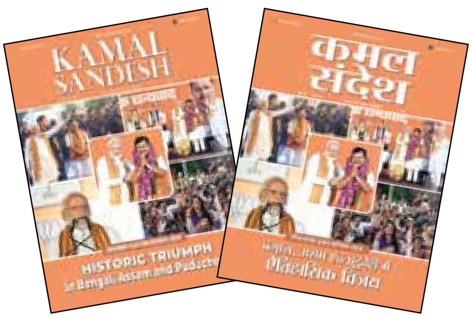

Scan to Download

www.kamalsandesh.org

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

विषय-सूची

06 **भाजपा के 'सोनार बांग्ला' युग का शुभारंभ: शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली**

एक ऐतिहासिक और भव्य समारोह में, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन...

09 **'सोनार बांग्ला' के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ें और जनता की अपेक्षाओं को पूर्ण करें: अमित शाह**

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 8 मई, 2026 को पश्चिम बंगाल...

12 **हिमंत बिश्व शर्मा ने असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली**

एक भव्य, शानदार और ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह में, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष...

16 **एन. रंगासामी ने पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली**

पुडुचेरी विधानसभा चुनाव-2026 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की निर्णायक जीत के बाद एनडीए नेता श्री एन. रंगासामी...

18 **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पांच देशों की सफल विदेश यात्रा**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15-20 मई, 2026 के बीच पांच देशों संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे...

लेख

भारत और स्वीडन: ग्रोथ, रेजिलिएंस और सस्टेनेबिलिटी की साझा राह / **नरेन्द्र मोदी एवं उल्फ क्रिस्टरसन** 25

इटली और भारत: इंडो-मेडिटेरेनियन के लिए एक स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप / **नरेन्द्र मोदी एवं जॉर्जिया मेलोनी** 27

विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता / **एरिक सोल्हेम** 32

नरेन्द्र मोदी अपने आलोचकों को लगातार मात दे रहे हैं / **बिल ड्रेक्सल** 33

अन्य

प्रधानमंत्री मोदी जी ने पश्चिम बंगाल में 'बलिदानी' पार्टी कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी 11

प्रधानमंत्री मोदी जी ने तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया 23

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बी.सी. खंडूरी नहीं रहे 26

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का राहुल गांधी के आपत्तिजनक बयान पर करारा हमला 29

डबल इंजन सरकार ओडिशा को विकास के नए आयाम तक पहुंचा रही है : नितिन नवीन 30

नरेन्द्र मोदी

वर्ष 1998 में आज के दिन पोखरण में हुए परमाणु परीक्षण ने दुनिया को भारत के अद्भुत सामर्थ्य से परिचित कराया। हमारे वैज्ञानिक देश के गौरव और स्वाभिमान के सच्चे शिल्पी हैं।

अग्निर्मूर्धा दिवः ककुत्पतिः पृथिव्या अयम्।
अपां रेतांसि जिन्वति॥

(11 मई, 2026)

नितिन नवीन

भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और हमारा दायित्व भी उतना ही व्यापक है। 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए जनसेवा के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं।

(18 मई, 2026)

राजनाथ सिंह

एक राष्ट्र के रूप में भारत अपनी सुरक्षा तभी सुदृढ़ बनाए रख सकता है, जब वह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर किसी अन्य देश पर स्थायी रूप से निर्भर नहीं रहा जा सकता।

(15 मई, 2026)

अमित शाह

नक्सल मुक्त भारत अभियान के तहत 6 राज्यों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विशेष सुरक्षा बलों, पुलिस कर्मियों, बस्तर संभाग के नक्सल पीड़ितों और विभिन्न समाजों के प्रमुखों से जगदलपुर में संवाद किया। मोदी जी के नेतृत्व में हम सभी के संयुक्त प्रयासों से देश को नक्सलवाद के दंश से मुक्ति मिली है।

(18 मई, 2026)

जगत प्रकाश नड्डा

Policy Makers के माध्यम से परिवर्तन कैसे आता है, इस पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने Reactive नहीं, बल्कि Proactive सोच को अपनाया है। हम केवल Curative नहीं, Preventive Approach पर भी आगे बढ़े हैं। 'SEHAT' इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

(11 मई, 2026)

बी.एल. संतोष

वर्ष 1952 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में श्रीनगर में भारतीय तिरंगा फहराने के दौरान श्री माखनलाल सरकार को गिरफ्तार किया गया था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद श्री माखनलाल सरकार 98 वर्ष की आयु में आज भी भारत के राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़े शुरुआती जमीनी स्तर के नेताओं में से एक बने हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनका अभिवादन किया और उनका आशीर्वाद लिया।

(09 मई, 2026)

सशक्त, आत्मनिर्भर और 'विकसित भारत' की ओर बढ़ते कदम

पश्चिम बंगाल में एक अभूतपूर्व परिवर्तन के साथ श्री शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और राज्य में आशा, विश्वास तथा आकांक्षाओं के एक नए युग की शुरुआत हुई। भाजपा सरकार बनने के साथ ही जनता ने शासन, राजनीतिक संस्कृति और प्रशासन में परिवर्तन महसूस करना शुरू कर दिया है। 'सोनार बांग्ला' के रूप में पहचानी जाने वाली यह भूमि लंबे समय से स्वार्थी और भ्रष्ट राजनीति तथा भ्रामक नीतियों एवं विचारों का शिकार रही है, लेकिन अब यह भूमि पुनः तीव्र गति के साथ दशकों के कुशासन की भरपाई करने के लिए तैयार है। श्री हिमंत बिश्व शर्मा ने दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है और एनडीए ने राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनाई है। असम की जनता ने एक बार फिर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व तथा 'अष्टलक्ष्मी' (पूर्वोत्तर) के प्रति उनके अटूट समर्पण में अपना विश्वास व्यक्त किया है। इसी प्रकार, पुडुचेरी में भी जनता ने एक बार फिर एनडीए को अपना आशीर्वाद दिया है और श्री एन. रंगासामी को मुख्यमंत्री के रूप में चुना है। यह जीत मतदाताओं की स्थिरता, सुशासन और केंद्र सरकार के साथ प्रभावी समन्वय के प्रति उनकी प्राथमिकता को दर्शाती है। जनता ने हिंसा, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण, नीतिगत जड़ता और प्रशासनिक विफलताओं की राजनीति के बजाय परफॉरमेंस, विकास और राष्ट्रीय प्रगति की राजनीति को चुना है। इसी कारण 'विकसित भारत' का वह दृष्टिकोण, जिसे जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त है, अब राष्ट्र की प्रगति के लिए एक प्रेरक शक्ति बन गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की हालिया पांच देशों—संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा ने एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में भारत की बढ़ती साख को प्रदर्शित किया है। साथ ही, इस यात्रा ने मोदी सरकार के उस दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया है, जिसके तहत भारत को उभरती हुई भू-राजनीतिक और आर्थिक साझेदारियों के केंद्र में स्थापित किया जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल भुगतान, फिनटेक और बुनियादी ढांचे में निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और सुदृढ़ बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। यह निरंतर मजबूत होती रणनीतिक साझेदारी भारत की सक्रिय कूटनीति की सफलता को दर्शाती है तथा भारत की विकास यात्रा में वैश्विक निवेशकों के विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करती है।

> **जनता ने हिंसा, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण, नीतिगत जड़ता और प्रशासनिक विफलताओं की राजनीति के बजाय परफॉरमेंस, विकास और राष्ट्रीय प्रगति की राजनीति को चुना है। इसी कारण 'विकसित भारत' का वह दृष्टिकोण, जिसे जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त है, अब राष्ट्र की प्रगति के लिए एक प्रेरक शक्ति बन गया है**

नीदरलैंड की यात्रा ने सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, लॉजिस्टिक्स और जल प्रबंधन के क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाया। ये ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं जो सरकार की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहलों के अनुरूप हैं। जैसे-जैसे भारत एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, इस तरह की साझेदारियां सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और तकनीकी क्षमताओं को विकसित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

नॉर्डिक देशों के साथ सहयोग में नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्थाओं पर बातचीत हुई। स्वीडन में रक्षा विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र पर चर्चा हुई; जबकि नॉर्वे में नवीकरणीय ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा, जलवायु कार्रवाई और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत किया गया। स्वीडन और नॉर्वे दोनों देशों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को उनके सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया, जो भारत के बढ़ते प्रभाव और उसके नेतृत्व की अंतरराष्ट्रीय मान्यता को दर्शाते हैं।

इटली में बातचीत विनिर्माण, रक्षा, औद्योगिक प्रौद्योगिकी और स्वच्छ गतिशीलता पर केंद्रित रही। प्रधानमंत्री श्री मोदी को एफएओ द्वारा 'एग्रीकोला पदक' से भी सम्मानित किया गया, जो खाद्य सुरक्षा, कृषि नवाचार और सतत विकास के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों की एक स्वीकारोक्ति है। वैश्विक स्तर पर मोटे अनाजों (मिलेट्स) को बढ़ावा देने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े खाद्य सहायता कार्यक्रम के संचालन तक भारत समावेशी विकास के एक आदर्श के रूप में उभरा है।

द्विपक्षीय समझौतों और कूटनीतिक वार्ताओं से इतर इन यात्राओं ने एक व्यापक वास्तविकता को भी हमारे समक्ष पेश किया है, जिसके तहत प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी और सुदृढ़ नेतृत्व में भारत अब केवल वैश्विक परिवर्तनों के अनुरूप ढल ही नहीं रहा है, बल्कि उन्हें सक्रिय रूप से आकार भी दे रहा है। इन यात्राओं ने एक विश्वसनीय भागीदार, एक प्रमुख आर्थिक शक्ति और वैश्विक मंच पर एक आत्मविश्वासपूर्ण आवाज के रूप में भारत की छवि को और सुदृढ़ किया है तथा साथ ही इससे, एक सशक्त, आत्मनिर्भर और 'विकसित भारत' का मार्ग प्रशस्त हुआ। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

भाजपा के 'सोनार बांग्ला' युग का शुभारंभ

शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

पांच कैबिनेट मंत्रियों ने भी ली शपथ

एक ऐतिहासिक और भव्य समारोह में, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन, भाजपा एवं एनडीए के वरिष्ठ नेता तथा लाखों पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए, श्री शुभेंदु अधिकारी ने 09 मई, 2026 को कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। श्री अधिकारी ने हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में भवानीपुर और नंदीग्राम दोनों निर्वाचन क्षेत्रों से जीत दर्ज की; नंदीग्राम में उन्होंने ममता बनर्जी को हराया। श्री अधिकारी राज्य के नौवें मुख्यमंत्री हैं। इस जीत ने बंगाल में एक नए राजनीतिक युग की शुरुआत की है और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के कुशासन का अंत किया है।

श्री अधिकारी के साथ भाजपा के पांच विधायकों ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ लेने वाले मंत्रियों में श्री दिलीप घोष, श्रीमती अग्निमित्रा पॉल, श्री निशीथ प्रमाणिक, श्री अशोक कीर्तनिया और श्री क्षुदीराम टुडू शामिल थे। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री आर. एन. रवि ने सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

यह भव्य शपथ ग्रहण समारोह सुबह 11 बजे शुरू हुआ और दोपहर लगभग 1 बजे समाप्त हुआ। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने 'भारत माता की जय', 'जय मां काली', 'जय बंगाल' और 'जय श्री राम' के नारे लगाए। ब्रिगेड परेड ग्राउंड में भाजपा की इस ऐतिहासिक उपलब्धि को लेकर गजब का उत्साह देखने को मिला।

प्रधानमंत्री जी के अतिरिक्त शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन, केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी, कई अन्य केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, देश भर से भाजपा एवं एनडीए के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री, पार्टी के वरिष्ठ नेता, राज्य के सभी प्रभारी और सह-प्रभारी तथा विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट जन उपस्थित रहे। समारोह के उपरांत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में श्री शुभेंदु अधिकारी और उनकी टीम को बधाई दी। श्री मोदी ने कहा कि श्री अधिकारी

सफल कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं: नरेन्द्र मोदी

"पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर श्री शुभेंदु अधिकारी जी को बधाई। उन्होंने एक ऐसे नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई है जो लोगों से बहुत करीब से जुड़े हुए हैं। उन्होंने लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को बहुत करीब से समझा है। मैं उन्हें भविष्य में एक सफल कार्यकाल के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।" "पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री के रूप में शपथ लेने पर श्री दिलीप घोष जी, अग्निमित्रा पॉल जी, अशोक कीर्तनिया जी, क्षुदीराम टुडू जी और निशीथ प्रमाणिक जी को बधाई। इन नेताओं ने जमीनी स्तर पर अथक परिश्रम किया है और लोगों की सेवा की है। मुझे विश्वास है कि मंत्री के रूप में वे पश्चिम बंगाल की विकास यात्रा को और अधिक मजबूत करेंगे। मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।"

पश्चिम बंगाल में एक नए अध्याय की शुरुआत: नितिन नवीन

दिलीप घोष जी, अग्निमित्रा पॉल जी, अशोक कीर्तनिया जी, क्षुदीराम टुडू जी और निसीथ प्रमाणिक जी को पश्चिम बंगाल के नवगठित मंत्रिमंडल में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। दशकों की प्रतीक्षा के बाद आज राज्य में सुशासन, विकास और जनविश्वास के एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री श्री शुभेंदु अधिकारी जी के नेतृत्व में नई सरकार जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी और संवेदनशील प्रशासन के संकल्पों को पूरी निष्ठा से साकार करेगी। 'डबल इंजन सरकार' की शक्ति के साथ पश्चिम बंगाल अब विकास, सुरक्षा और समृद्धि के नए दौर की ओर अग्रसर है तथा 'सोनार बांग्ला' के साझा संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

ने स्वयं को बंगाल की जनता के बीच स्थापित किया है और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनका कार्यकाल राज्य में विकास और जन कल्याण के एक नए युग की शुरुआत करेगा। उन्होंने कहा, "पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर श्री शुभेंदु अधिकारी जी को बधाई। उन्होंने एक ऐसे नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई है जो लोगों से बहुत करीब से जुड़े हुए हैं। उन्होंने लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को बहुत करीब से समझा है। मैं उन्हें भविष्य में एक सफल कार्यकाल के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।"

यह बात ध्यान देने योग्य है कि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को एक ऐतिहासिक और शानदार जनादेश मिला है। पार्टी ने 293 में से 207 सीटें जीतीं, जबकि तृणमूल कांग्रेस 80 सीटों पर सिमट गई। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत को राज्य के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलावों में से एक के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि आजादी के बाद पहली बार बंगाल ने भाजपा सरकार को चुना है।

भले ही पश्चिम बंगाल को लंबे समय से भाजपा के लिए एक राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र माना जाता रहा हो, लेकिन एक छोटी सी शक्ति से सरकार बनने तक का पार्टी की यह यात्रा दशकों की वैचारिक प्रतिबद्धता, सांगठनिक विस्तार और जमीनी स्तर पर लगातार किए गए संघर्ष को दर्शाता है। राजनीतिक जानकारों ने इस जीत को केवल एक चुनावी उपलब्धि नहीं, बल्कि भाजपा की एक लंबे समय से चली आ रही आकांक्षा की पूर्ति और पूर्वी भारत के राजनीतिक परिदृश्य के लिए एक निर्णायक क्षण बताया है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार का गठन व्यापक रूप से लंबे समय से परिकल्पित 'सोनार बांग्ला' युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। अब जब भाजपा केंद्र और पश्चिम बंगाल, दोनों जगहों पर शासन में है, तो यह 'डबल-इंजन सरकार' राज्य में त्वरित विकास, आधुनिक बुनियादी ढांचे, पारदर्शी शासन, महिलाओं की

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल की जनता का शीश नवाकर आभार व्यक्त किया

बेहतर सुरक्षा, औद्योगिक पुनरुद्धार और मजबूत राष्ट्रीय सुरक्षा का एक नया दौर लिखने के लिए तैयार है।

इस ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह ने न केवल शासन में बदलाव किया, बल्कि पूर्वी भारत में एक बड़े राजनीतिक बदलाव का भी प्रतीक बना। इसने पूरे क्षेत्र में भाजपा के बढ़ते प्रभाव की पुष्टि की और पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय खोला। ■

पश्चिम बंगाल को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएंगे: राजनाथ सिंह

श्री शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। आज शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों को भी बहुत-बहुत बधाई। पवित्र 'पचीशे बोइशाख' के अवसर पर हुई यह नई शुरुआत, पश्चिम बंगाल और यहां के लोगों की समृद्धि, विकास और जन-कल्याण के लिए एक शुभ संकेत है। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में श्री शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएंगे— जो सुशासन, पारदर्शिता, विकास और समावेशी विकास पर आधारित होगा और 'सोनार बांग्ला' के स्वप्न को साकार करेंगे। नई सरकार को एक सफल, स्थिर और परिवर्तनकारी कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं। एक ऐसा कार्यकाल जो पश्चिम बंगाल की जनता की सेवा और उनकी आकांक्षाओं को समर्पित हो।

एक विकसित, समृद्ध और निडर पश्चिम बंगाल का निर्माण करें: अमित शाह

आज का दिन बंगाल के लिए ऐतिहासिक है, जब बंगाल की जन-आकांक्षाओं को समर्पित और जन-जन द्वारा चुनी गई भारतीय जनता पार्टी के पहले मुख्यमंत्री के रूप में श्री शुभेंदु अधिकारी जी ने शपथ ग्रहण किया है। श्री शुभेंदु अधिकारी जी को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने और सभी अन्य साथियों को मंत्रिपरिषद् के सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आज से बंगाल में सुशासन, विकास और जनकल्याण का एक नया अध्याय प्रारंभ होगा तथा पश्चिम बंगाल प्रगति और समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ेगा।

शुभेंदु अधिकारी चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता

भाजपा नेता श्री शुभेंदु अधिकारी 8 मई, 2026 को सर्वसम्मति से पश्चिम बंगाल भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए। कोलकाता में संपन्न इस बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह एवं केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक के रूप में ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी उपस्थित रहे। श्री शाह ने पश्चिम बंगाल भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में श्री शुभेंदु अधिकारी के नाम की औपचारिक घोषणा की।

श्री अमित शाह ने अपने 'एक्स' पोस्ट में कहा, "श्री शुभेंदु अधिकारी जी को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बंगाल की जनता ने भय, घुसपैठ, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण के विरुद्ध प्रचंड जनादेश देकर भारतीय जनता पार्टी को सेवा का अवसर प्रदान किया है। आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में बंगाल की भाजपा सरकार प्रदेश में विकास, सुरक्षा और समृद्धि का एक नया अध्याय लिखेगी।"

भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए श्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रदेश के विकास और सुशासन के लिए अपना विजन स्पष्ट करते हुए कहा कि उनकी सरकार 'मैं नहीं, हम' के सिद्धांत पर चलेगी। श्री शुभेंदु ने अपने संबोधन में स्वामी विवेकानंद के मंत्र 'चरैवेति' का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सपनों का बंगाल बनाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब बंगाल में 'डबल इंजन' की सरकार होगी, जहां केंद्र और राज्य कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। उन्होंने गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर की रचना "चित्तो जेथा भयशून्य, उच्चो जेथा शिर।"(जहां चित्त भय से शून्य हो जहां हम गर्व से माथा ऊंचा करके चल सकें) को उद्धृत करते हुए कहा कि बंगाल की जनता के मन से डर को पूरी तरह खत्म करना उनकी प्राथमिकता है। श्री शुभेंदु ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी और स्वामी प्रणवानंद को नमन करने के साथ-साथ उन 321 भाजपा कार्यकर्ताओं को याद किया, जिन्होंने पार्टी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। ■

भाजपा विधायक दल की बैठक, पश्चिम बंगाल

'सोनार बांग्ला' के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ें और जनता की अपेक्षाओं को पूर्ण करें: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 8 मई, 2026 को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक को संबोधित किया। श्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की भव्य जीत पर जनता का आभार व्यक्त करते हुए इसे लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा और 'सोनार बांग्ला' के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक जनादेश बताया। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने भय और हिंसा की राजनीति को पराजित किया है। श्री शाह ने भाजपा सरकार को सुशासन, विकास, महिला सुरक्षा और पारदर्शी लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्ध बताया तथा कांग्रेस और टीएमसी पर तीखा प्रहार भी किया। कार्यक्रम के दौरान मंच पर ओडिशा के मुख्यमंत्री व सह-पर्यवेक्षक श्री मोहन चरण मांझी, पश्चिम बंगाल प्रदेशाध्यक्ष श्री समिक भट्टाचार्य, भाजपा नेता श्री शुभेंदु अधिकारी सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

श्री अमित शाह ने कहा कि सबसे पहले हम हाथ जोड़कर बहुत जिम्मेदारी के साथ बंगाल की जनता को कोटि-कोटि धन्यवाद करना चाहते हैं। कम्युनिस्टों के समय से यहां जिस प्रकार का माहौल बनाया जाता था, ममता बनर्जी ने उसे और गहरे तरीके से भय में परिवर्तित किया। यहां मत की अभिव्यक्ति लगभग असंभव थी। हिंसा और क्रूरता के सैकड़ों उदाहरणों के बीच बंगाल की जनता ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा कर जो प्रचंड विजय दी है, उसके लिए हम बहुत-बहुत धन्यवाद करते हैं। भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे हर हाल में 'सोनार बांग्ला' के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ें और बंगाल की जनता की अपेक्षाओं को पूर्ण करें।

उन्होंने कहा कि आज कवि गुरु की यह पंक्तियां सच होती दिखाई पड़ रही हैं, "चित्तो जेथा भयशून्य, उच्चो जेथा शिर।" जहां मन भयमुक्त हो और सिर गर्व से ऊंचा हो, ऐसे बंगाल का रास्ता आज प्रशस्त हो चुका है और बंगाल उस रास्ते पर चलेगा।

श्री शाह ने कहा कि 1951 से हमने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के नेतृत्व में अपनी यात्रा प्रारंभ की। उनकी ही जन्मभूमि में आज 2026 में डॉ. श्यामा प्रसाद जी की ही पार्टी की सरकार बन रही है, यह भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब 370 हटी थी, तब देशभर के कार्यकर्ताओं के मन में खुशी की लहर दौड़ी थी, मगर कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने उनसे कहा था कि अभी भी कुछ कसर बाकी है। जब हमने आश्चर्य से पूछा कि अब क्या बचा है, तब कार्यकर्ताओं ने कहा था कि बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना बाकी है। आज हम मानते हैं कि डॉ. श्यामा प्रसाद जी जहां पर भी होंगे, मुक्त मन से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को आशीर्वाद देते होंगे, क्योंकि इस नेतृत्व ने भारतीय जनता पार्टी को गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक पहुंचाया है। 2014 से निकली यह यात्रा अभूतपूर्व यात्रा है।

उन्होंने कहा कि जब मैं पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना था, उस समय पश्चिम बंगाल में उपचुनाव आया था और वर्तमान प्रदेशाध्यक्ष श्री समिक भट्टाचार्य ने उपचुनाव जीतकर पार्टी का खाता खोला था। यह 2014 की बात है। 2016 में 3 सीटें हुईं, 2021 में 77 सीटें हुईं और 2026 में 207 सीटों के साथ आज भाजपा का मुख्यमंत्री बनने जा रहा है। यह यात्रा जितनी भव्य और आनंददायक है, उसका मार्ग उतनी ही असहनीय पीड़ा से भरा हुआ है। हम आज भी यह नहीं भूल सकते कि भारतीय जनता पार्टी के 321 देवतुल्य कार्यकर्ताओं ने इस जीत और विचार के लिए अपनी जान गंवाई है।

श्री शाह ने कहा कि मैं एक बार फिर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ओर से, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी की ओर से तथा भारतीय जनता पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से बंगाल की जनता को मनःपूर्वक धन्यवाद करता हूं। मैं श्री शुभेंदु अधिकारी को भी बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं कि वह सफल हों और बंगाल की जनता की आकांक्षाओं तथा आशाओं की पूर्ति का माध्यम बनें। ■

मुख्य बिंदु

- कांग्रेस का देशभर में सफाया हो रहा है और राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडी अलायंस भी समाप्त हो रहा है
- बंगाल के 23 में से 9 जिलों में ममता दीदी का खाता तक नहीं खुला, सूपड़ा साफ़ हो गया
- भाजपा की बंगाल जीत ने देश की सबसे बड़ी सुरक्षा खाई को भर दिया है, अब हम एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर निकालकर रहेंगे

हमारा पश्चिम बंगाल विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा: समिक भट्टाचार्य

शपथ ग्रहण समारोह के बाद पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष श्री समिक भट्टाचार्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "करोड़ों लोगों के प्यार, विश्वास, संघर्षों और आशीर्वाद को अपने हृदय में संजोते हुए श्री शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

आज का यह क्षण केवल शपथ लेने तक सीमित नहीं है; यह पश्चिम बंगाल के लोगों की आशाओं, आत्मविश्वास और नए सपनों की शुरुआत है।

बंगाल के लोग एक बार फिर गर्व से अपना मस्तक ऊंचा कर सकेंगे और उन्हें गरिमा के साथ जीने का अवसर प्राप्त होगा।

हमारा पश्चिम बंगाल विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।"

हमारी सरकार 'सोनार बांग्ला' बनाने के लिए प्रतिबद्ध है: शुभेंदु अधिकारी

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद श्री शुभेंदु अधिकारी ने 'एक्स' पर लिखा, "नमस्कार, पश्चिम बंगाल! आज, विश्व कवि रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर मैं उन्हें कृतज्ञ हृदय से याद करता हूं और उनके चरणों में अपना विनम्र नमन अर्पित करता हूं। उनके विचार और आदर्श सदैव हमारे मार्गदर्शक रहेंगे। आज, मैंने पश्चिम बंगाल के नौवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और पश्चिम बंगाल की गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में मैंने पश्चिम बंगाल में सुशासन, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास स्थापित करने का संकल्प लिया है। यह सरकार 'सोनार बांग्ला' के निर्माण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। विकास, रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा, सांस्कृतिक गरिमा और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा हमारे प्राथमिक लक्ष्य होंगे। मैं पश्चिम बंगाल की जनता के प्रति अपनी कृतज्ञता और विनम्र नमन व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझे आपके सेवक के रूप में सेवा करने का अवसर प्रदान किया।"

अभिनंदन! अभिनंदन! अभिनंदन!

श्री शुभेंदु अधिकारी
जीवन परिचय

- श्री शुभेंदु अधिकारी का जन्म 15 दिसंबर, 1970 को पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के कारकुली में श्री शिशिर अधिकारी और श्रीमती गायत्री अधिकारी के यहां हुआ था।
- श्री अधिकारी ने 2011 में रवींद्र भारती विश्वविद्यालय से पर्यावरण अध्ययन में मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री प्राप्त की।
- वे 2016, 2021 और 2026 में नंदीग्राम से विधान सभा सदस्य (विधायक) चुने गए और 2026 में भवानीपुर से भी चुने गए।
- इससे पहले वे 2005 में कांथी दक्षिण से चुने गए थे और 2009 तथा 2014 में तमलुक से संसद सदस्य के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन किया।
- 2021 के पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनावों में श्री अधिकारी ने नंदीग्राम विधान सभा क्षेत्र से तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराया।
- वह 2021 से 2026 तक पश्चिम बंगाल विधान सभा में विपक्ष के नेता रहे।
- 2021 के विधान सभा चुनावों के बाद पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर राजनीतिक हिंसा की खबरें आईं, इस दौरान कई भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को निशाना बनाया गया। श्री अधिकारी ने चुनाव के बाद हुई हिंसा की घटनाओं पर कड़ा विरोध दर्ज किया।
- श्री अधिकारी ने संदेशखाली में अशांति और अत्याचारों के विरोध में जन-संघर्ष में बढ़-चढ़कर भाग लिया।
- 8 मई, 2026 को उन्हें पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी विधायक दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया।
- श्री अधिकारी ने 9 मई, 2026 को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और इस तरह वे राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री तथा प्रदेश के नौवें मुख्यमंत्री बने। ■

श्री माखनलाल सरकार से भेंटकर उनका आशीर्वाद लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी। श्री माखनलाल सरकार ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ काम किया था और जम्मू-कश्मीर में उनके सहयोगी के रूप में उनके साथ रहते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में 9 मई, 2026 को भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री मोदी जी ने पश्चिम बंगाल में 'बलिदानी' पार्टी कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद हुई हिंसा में अपनी जान गंवानेवाले भाजपा कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उनका बलिदान पार्टी कार्यकर्ताओं की आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मंच के करीब भाजपा कार्यकर्ताओं के सम्मान में एक अस्थायी स्मारक बनाया गया था। इसी जगह पर श्री शुभेंदु अधिकारी और उनके मंत्रिमंडल ने शपथ ली थी। इस स्मारक पर 'शहीदों' के नाम और वे किस जिले के रहने वाले थे, इसकी जानकारी लिखी हुई थी।

'एक्स' पर स्मारक की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "साहसी भाजपा कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि! आज कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने के उत्सव के बीच हमने उन सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को याद किया, जिन्होंने अपनी जान न्योछावर कर दी। उनका बलिदान पार्टी की यात्रा में हमेशा के लिए अंकित हो गया है। उनका साहस हम सभी के लिए शक्ति का स्रोत बना रहेगा।" ■

असम

हिमंत बिश्व शर्मा ने असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

गुवाहाटी में भव्य समारोह के बीच चार मंत्रियों ने भी शपथ ली

एक भव्य, शानदार और ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह में, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन, भाजपा एवं एडीए के वरिष्ठ नेता, भाजपा एवं एनडीए के मुख्यमंत्री और लाखों पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए, श्री हिमंत बिश्व शर्मा ने 12 मई, 2026 को गुवाहाटी में लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस शपथ ग्रहण समारोह में असम में लगातार तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिश्व शर्मा के गतिशील और दूरदर्शी नेतृत्व में लोगों के अटूट विश्वास को फिर से पुष्ट किया।

श्री हिमंत बिश्व शर्मा के साथ-साथ, भाजपा एवं एडीए के अन्य नेताओं— जैसे श्री रामेश्वर तेली, श्री अतुल बोरा, श्री चरण बोरो और श्रीमती अजंता नेओग— ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सभी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस समारोह में राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। कार्यकर्ताओं के इस उत्साहित जनसमूह ने शुरुआत में ही 'भारत माता की जय', 'जय आई असोम', और 'जय श्री राम' के जोशीले नारे लगाए। समारोह का माहौल उत्सव, आत्मविश्वास और आशावाद से भरा था, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने राज्य विधानसभा चुनावों में एक और ऐतिहासिक एवं निर्णायक जनादेश प्राप्त किया था।

समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन, केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा,

असम के लिए एक महान दिन: नरेन्द्र मोदी

"असम के लिए एक शानदार दिन! लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार ने कार्यभार संभाला है। शपथ ग्रहण करने पर डॉ. हिमंत बिश्व शर्मा जी को बधाई। उन्होंने एक बेहतरीन प्रशासक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है और राज्य के लिए अग्रणी कार्य किए हैं। उनके आगामी कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।"

राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं: नितिन नवीन

डॉ. हिमंत बिश्व शर्मा जी को पुनः असम के मुख्यमंत्री का दायित्व ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं आपके नेतृत्व में 'डबल इंजन' की एनडीए सरकार असम में विकास, सुशासन और जनकल्याण की गति को और अधिक सशक्त करते हुए राज्य को प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएगी।

केंद्रीय परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी, देश भर से आए एनडीए के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, गठबंधन के नेतागण, सांसद, विधायक और समाज के विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्टजन उपस्थित रहे।

समारोह के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री हिमंत बिश्व शर्मा और उनकी मंत्रिपरिषद् को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि सरकार असम के विकास और समृद्धि को और तेज़ी से आगे बढ़ाती रहेगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक संदेश में प्रधानमंत्री ने राज्य में विकास, जन-कल्याण और सुशासन के प्रति श्री शर्मा के नेतृत्व और समर्पण की सराहना की। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "असम के लिए एक शानदार दिन! लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार ने कार्यभार संभाला है। शपथ ग्रहण करने पर डॉ. हिमंत बिश्व शर्मा जी को बधाई। उन्होंने एक बेहतरीन प्रशासक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है और राज्य के लिए अग्रणी कार्य किए हैं। उनके आगामी कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।"

शपथ ग्रहण करने के बाद श्री हिमंत बिश्व शर्मा ने कहा, "मां कामाख्या, महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और असम की जनता के आशीर्वाद से मैंने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। मंत्रिपरिषद् के साथ मिलकर, हम जनता की सेवा करने और उनकी सभी आकांक्षाओं को पूरा करने का कार्य जारी रखने के लिए तत्पर हैं।"

हाल ही में संपन्न असम विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को शानदार जीत मिली है। यह जीत सरकार के विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार, शांति, सांस्कृतिक गौरव और जन-कल्याणकारी शासन के एजेंडे के प्रति जनता के निरंतर समर्थन को दर्शाती है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस जनादेश ने स्थिरता, आर्थिक विकास और समावेशी विकास के भाजपा के दृष्टिकोण में असम के भरोसे को और मजबूत किया है।

यह बात ध्यान देने योग्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिश्व शर्मा के नेतृत्व में असम तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, बेहतर कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं का

विस्तार, निवेश को बढ़ावा और मजबूत कानून-व्यवस्था गवाह बना है। इस नए जनादेश को सरकार की विकास पहलों और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता के एक मजबूत समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।

असम में भाजपा के नेतृत्व वाली नई सरकार के गठन से एक विकसित और समृद्ध पूर्वोत्तर के दृष्टिकोण को और मजबूती मिलने की उम्मीद है, जिसमें युवा सशक्तीकरण, औद्योगिक विकास, महिला कल्याण, पर्यटन, सीमा सुरक्षा और असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर विशेष जोर दिया जाएगा।

असम विकास और प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा: राजनाथ सिंह

"असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर श्री हिमंत बिश्व शर्मा को हार्दिक बधाई। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और उनके कुशल नेतृत्व में असम विकास, प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छुएगा। मैं हिमंत जी के आगामी कार्यकाल के अत्यंत सफल, प्रभावशाली और परिवर्तनकारी होने की कामना करता हूं। आज शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों को बहुत-बहुत बधाई।"

अब प्रगति की एक भव्य इमारत बनेगी: अमित शाह

असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिश्व शर्मा और सभी मंत्रियों को पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। लगातार तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को चुनकर, असम की जनता ने यह एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा-एनडीए सरकारें भरोसे की सरकारें हैं। जनता, उन्हें उनके कार्यों और उपलब्धियों के शानदार रिकॉर्ड के कारण ही उन्हें बार-बार चुनती है। पिछले दस वर्षों में एनडीए सरकार ने विकास और सुरक्षा की एक मजबूत नींव रखी है, जिस पर अब प्रगति की एक भव्य इमारत खड़ी की जाएगी।"

भविष्य के शानदार कार्यकाल के लिए मां कामाख्या से प्रार्थना: दिलीप सैकिया

श्री हिमंत बिश्व शर्मा के दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह के बाद—जिसे एक अभूतपूर्व जनादेश मिला है और जिसने इतिहास रच दिया है—भाजपा असम के प्रदेश अध्यक्ष श्री दिलीप सैकिया ने मुख्यमंत्री और उनकी टीम को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा, "दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर आदरणीय मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिश्व शर्मा को हार्दिक बधाई।

भविष्य के शानदार कार्यकाल के लिए मां कामाख्या से प्रार्थना, जो असम के लिए प्रगति और विकास से भरा हो!"

यह भी उल्लेखनीय है कि एनडीए ने 126 सदस्यीय विधानसभा में रिकॉर्ड 102 सीटें जीतीं, जिनमें से 82 सीटें भाजपा के खाते में गईं। भाजपा के सहयोगी दलों असम गण परिषद् (एजेपी) और बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने 10-10 सीटें हासिल कीं।

शपथ ग्रहण समारोह ने न केवल असम में राजनीतिक स्थिरता की निरंतरता का प्रतीक था, बल्कि इसने भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में भाजपा की बढ़ती ताकत और प्रभाव को भी पुनः स्थापित किया। ■

हम तब तक काम करते रहेंगे, जब तक हम 'विकसित असम' के सपने को साकार नहीं कर लेते: हिमंत बिश्व शर्मा

'जय मां भारती' 'जय आई असम'

"पूरी विनम्रता के साथ, मैं असम की जनता के सामने नतमस्तक हूं। यह एक अत्यंत भावुक क्षण है, क्योंकि मैंने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। यह सब आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन के बिना संभव नहीं था, जिनका मार्गदर्शन हमारी सरकार के लिए शुरू से ही सबसे बड़ा प्रेरणास्रोत रहा है। यह उनका नेतृत्व और दूरदृष्टि ही है, जिसने हमें 'सेवा और समर्पण' के हमारे मार्ग पर आगे बढ़ाया है। मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी के प्रति भी अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहूंगा, जिनके नेतृत्व ने असम में एनडीए के सभी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर दी, ताकि वे हमारे 'सुशासन' का संदेश हर घर तक पहुंचा सकें। आज का यह अवसर आदरणीय अमित शाह जी के संरक्षण के बिना संभव नहीं था; वे राज्य में शांति और समृद्धि वापस लाने तथा जनता से किए गए हमारे वादों को पूरा करने के हमारे प्रयासों में एक चट्टान की तरह हमारे साथ खड़े रहे हैं और अंत में, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात— असम भर में फैले हमारे उन सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार, जिन्होंने इस ऐतिहासिक जीत को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। हम तब तक काम करते रहेंगे जब तक हम 'विकसित असम' के सपने को साकार नहीं कर लेते। आभार।"

भाजपा एवं एनडीए विधायक दल के नेता चुने गए
हिमंत बिश्व शर्मा

श्री हिमंत बिश्व शर्मा 10 मई, 2026 को सर्वसम्मति से भाजपा एवं एनडीए विधायक दल के नेता चुने गए। यह बैठक भाजपा केंद्रीय पर्यवेक्षक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं केंद्रीय सह पर्यवेक्षक हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में संपन्न हुई।

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने 'एक्स' पोस्ट में कहा, "श्री हिमंत बिश्व शर्माजी को भाजपा एवं एनडीए विधायक दल के नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। असम की जनता ने लगातार तीसरी बार विकास, स्थिरता और जनकल्याण को अपना आशीर्वाद दिया है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार 'विकसित असम' के संकल्प को साकार करते हुए 'विकसित भारत' के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।"

श्री हिमंत बिश्व शर्मा ने कहा, "आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने लगातार दूसरी बार असम की जनता की सेवा करने के लिए उनके 'मुख्य सेवक' के रूप में मुझ पर अपना विश्वास जताया है। श्री नितिन नवीन जी और आदरणीय अमित शाह जी का भी मैं हृदय से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे निरंतर अपना मार्गदर्शन और दिशा-निर्देश प्रदान किया है। मैं एनडीए परिवार के सभी नवनिर्वाचित विधायकों—असम भाजपा, असम गण परिषद् और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट—के प्रति भी अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। उन्होंने मुझे एनडीए विधायक दल का नेता चुना और एक 'विकसित' तथा 'सुरक्षित' असम के निर्माण के जनादेश को पूरा करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। मां कामाख्या के आशीर्वाद और असम की जनता के सहयोग से मैं उस यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हूं, जिसकी शुरुआत हमारी पार्टी ने वर्ष 2016 में 'आई असम' (मातृभूमि असम) की सेवा के संकल्प के साथ की थी और मैं 24 घंटे, सातों दिन इसकी सेवा में समर्पित रहूंगा।" ■

अभिनंदन! अभिनंदन! अभिनंदन!

डॉ. हिमंत बिश्व शर्मा
जीवन परिचय

- डॉ. हिमंत बिश्व शर्मा का जन्म 1 फरवरी, 1969 को असम के जोरहाट में लेखक श्री कैलाश नाथ शर्मा और साहित्यकार श्रीमती मृणालिनी देवी के घर हुआ था।
- उन्होंने कॉटन कॉलेज और गुवाहाटी विश्वविद्यालय से क्रमशः राजनीति विज्ञान में अपनी बैचलर और मास्टर डिग्री हासिल की।
- उन्होंने गुवाहाटी विश्वविद्यालय से एलएल.बी. और पीएच.डी. की डिग्रियां भी प्राप्त की।
- कॉटन कॉलेज में अपने अध्ययन के दौरान वे छात्र राजनीति में सक्रिय रहे और लगातार तीन बार कॉलेज के छात्र संघ के महासचिव चुने गए।
- मुख्यधारा की चुनावी राजनीति में आने से पहले उन्होंने 1996 से 2001 के बीच गुवाहाटी उच्च न्यायालय में वकालत की।
- श्री शर्मा ने 2001 में जालुकबारी से विधायक के रूप में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। उन्होंने 14 वर्षों से अधिक समय तक स्वास्थ्य, शिक्षा और वित्त सहित कई महत्वपूर्ण कैबिनेट पद संभाले और राज्य की शिक्षा तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में सुधार लाने में अहम भूमिका निभाई।
- मई, 2021 में उन्होंने असम के 15वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके प्रशासन ने व्यापक बुनियादी ढांचा विकास, रोजगार सृजन और स्वास्थ्य सुविधाओं के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया।
- 2026 के विधानसभा चुनावों में निर्णायक जीत के बाद श्री शर्मा ने 12 मई, 2026 को लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

शपथ ग्रहण समारोह

पुडुचेरी

एन. रंगासामी ने पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

पुडुचेरी विधानसभा चुनाव-2026 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की निर्णायक जीत के बाद एनडीए नेता श्री एन. रंगासामी ने 13 मई, 2026 को पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में रिकॉर्ड पांचवीं बार शपथ ली। यह समारोह पुडुचेरी के लोक निवास में हुआ, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की वापसी का प्रतीक था।

उपराज्यपाल श्री के. कैलाशनाथन ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री के साथ-साथ, ए. नमस्सिवयम (भाजपा विधायक दल के नेता) और मल्लादी कृष्ण राव (एआईएनआरसी विधायक) ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

इस कार्यक्रम में कई वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे,, जिनमें भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी. एल. संतोष और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री वी. पी. रामलिंगम शामिल थे।

गौरतलब है कि एआईएनआरसी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने 30 सदस्यीय सदन में पुनः सत्ता में वापसी की। चुनावों में ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) ने 12 सीटें प्राप्त कीं और भारतीय जनता पार्टी ने 4 सीटें जीतीं। एआईएडीएमके और लछिया जननायगा कत्ची के एक-एक सीट के समर्थन से गठबंधन ने सरकार बनाने के लिए 18 सीटों का स्थिर बहुमत हासिल कर लिया।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक संदेश के माध्यम से श्री ए. नमस्सिवयम और उनकी टीम को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि पुडुचेरी में नई एनडीए सरकार लोगों की भलाई के लिए पूरी लगन से काम करेगी और केंद्रशासित प्रदेश में विकास की गति को तेज करेगी। उन्होंने कहा, "पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने पर थिरु एन. रंगासामी जी को बधाई। उन्होंने एक अनुभवी और कुशल प्रशासक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है, जिन्होंने पुडुचेरी के विकास के सफर को मजबूत किया है। लोगों की भलाई के लिए उनके साथ काम करने की प्रतीक्षा है। उनके आगे के कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।"

पुडुचेरी में एनडीए की जीत दक्षिण भारत में एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम है, जो गठबंधन के शासन मॉडल और विकास एजेंडे के लिए बढ़ते जनसमर्थन को दिखाता है एवं स्थिरता, पारदर्शिता और जन-केंद्रित शासन का स्पष्ट समर्थन है। इस ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह ने न केवलन पुडुचेरी में एक नई सरकार के गठन की शुरुआत की, बल्कि दक्षिण भारत में एनडीए के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव का भी प्रतीक बना, जिससे केंद्रशासित प्रदेश की राजनीतिक यात्रा में एक नया अध्याय शुरू हुआ। ■

एन. रंगासामी पुडुचेरी एनडीए विधायक दल के नेता चुने गए

हाल ही में संपन्न हुए पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में एनडीए की भारी जीत के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री और ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस के संस्थापक श्री एन. रंगासामी को 08 मई, 2026 को पुडुचेरी में एनडीए विधायक दल के नेता के रूप में फिर से चुन लिया गया।

इसी बैठक में प्रदेश के गृह मंत्री श्री ए. नमस्सिवयम को एनडीए विधायक दल का उप-नेता चुना गया।

इससे एक दिन पहले श्री एन. रंगासामी ने केंद्र शासित प्रदेश में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए लोक भवन में उपराज्यपाल श्री के. कैलाशनाथन को पुडुचेरी के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया था।

इससे पुडुचेरी की प्रगति को गति मिलेगी: नरेन्द्र मोदी

"पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने पर थिरु एन. रंगासामी जी को बधाई। उन्होंने एक अनुभवी और कुशल प्रशासक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है, जिन्होंने पुडुचेरी के विकास के सफर को मजबूत किया है। लोगों की भलाई के लिए उनके साथ काम करने की प्रतीक्षा है। उनके आगे के कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।"

इससे तेज प्रगति और जन कल्याण सुनिश्चित होगा: नितिन नवीन

"आज पुडुचेरी के लोक निवास में नई चुनी गई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुआ। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री एन. रंगासामी जी के नेतृत्व में इस 'डबल-इंजन' सरकार के माध्यम से एनडीए के विकास एजेंडे पर लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है, जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और जन कल्याण के क्षेत्रों में तेज प्रगति सुनिश्चित होगी।"

श्री एन. रंगासामी

जीवन परिचय

- श्री एन. रंगासामी एक अनुभवी राजनेता हैं। उनका जन्म 4 अगस्त, 1950 को पुडुचेरी में श्री नटेसन कृष्णसामी और श्रीमती पांचाली के यहां हुआ था।
- उन्होंने टैगोर आर्ट्स कॉलेज से बैचलर ऑफ कॉमर्स (बी.कॉम.) की पढ़ाई पूरी की और बाद में 1977 में डॉ. अंबेडकर गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, पुडुचेरी से बैचलर ऑफ लॉ (एलएल.बी.) की डिग्री हासिल की।
- वह अविवाहित हैं और अपनी बेहद सादगीपूर्ण, जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। अक्सर उन्हें चुनाव प्रचार के दौरान भी एक साधारण दोपहिया वाहन पर चलते हुए देखा जाता है।
- 1991 से 2001 तक उन्होंने तीन अलग-अलग मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल में कृषि, लोक निर्माण, शिक्षा और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण विभागों को संभालते हुए कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य किया।
- उन्होंने पहली बार 27 अक्टूबर, 2001 को पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया।
- वह दोबारा चुने गए और अगस्त, 2008 तक लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया।
- 2011 से 2016 तक उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश सरकार का नेतृत्व किया।
- इसके बाद उन्होंने 2016 से 2021 तक विपक्ष के नेता के रूप में कार्य किया।
- 2021 से 2026 तक वह चौथी बार मुख्यमंत्री रहे।
- उन्होंने अप्रैल-मई 2026 के विधानसभा चुनावों में एनडीए को लगातार दूसरी जीत दिलाई, जिसमें गठबंधन ने 30 में से 18 सीटें हासिल कीं; इसके बाद उन्होंने पांचवीं बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

पुडुचेरी की विकास यात्रा नई ऊंचाइयों को छुएगी: राजनाथ सिंह

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर एक अनुभवी प्रशासक और समर्पित नेता श्री एन. रंगासामी जी को बधाई। मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में पुडुचेरी का विकास और जन कल्याण अभूतपूर्व गति से नई ऊंचाइयों को छुएगा। उनके सफल और परिवर्तनकारी कार्यकाल के लिए उन्हें शुभकामनाएं। आज शपथ लेने वाले अन्य मंत्रियों को भी बहुत-बहुत बधाई।"

हम एक 'विकसित पुडुचेरी' बनाने के लिए कटिबद्ध हैं: अमित शाह

"पुडुचेरी के मुख्यमंत्री थिरु एन. रंगासामी जी और मंत्रियों को उनके शपथ ग्रहण समारोह पर बधाई। पुडुचेरी में एनडीए का दोबारा चुना जाना लोगों की आकांक्षाओं की जीत है। मोदी जी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने पिछले पांच वर्षों में अभूतपूर्व कल्याण और विकास पहलों के माध्यम से इस केंद्रशासित प्रदेश को फिर से प्रगति की राह पर ला खड़ा किया है। हम आने वाले समय में पुडुचेरी को व्यापार, पर्यटन और उत्पादन का केंद्र बनाकर एक विकसित पुडुचेरी बनाने के लिए कटिबद्ध हैं।"

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पांच देशों की सफल विदेश यात्रा

यूएई

नीदरलैंड

स्वीडन

नॉर्वे

इटली

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15-20 मई, 2026 के बीच पांच देशों संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की सफल यात्रा की। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने नॉर्वे स्थित ओस्लो में तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भागीदारी की। यही नहीं, श्री मोदी को स्वीडन द्वारा विदेशी शासनाध्यक्षों को प्रदान किया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार', डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस तथा विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को प्रदान किया जाने वाला नॉर्वे का सर्वोच्च सम्मान 'रॉयल नॉर्वे ऑर्डर ऑफ मेरिट का ग्रैंड क्रॉस' से सम्मानित किया गया। साथ ही, प्रधानमंत्री को रोम में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ओर से 'एग्रीकोला मेडल' से सम्मानित किया गया।

भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में संयुक्त अरब अमीरात की हिस्सेदारी 30 मिलियन बैरल तक बढ़ाई जाएगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 मई को संयुक्त अरब अमीरात की आधिकारिक यात्रा की। हवाई अड्डे पर संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन ज़ायद अल नाहयान ने उनकी अगवानी की और उनका समारोहपूर्वक स्वागत किया।

दोनों नेताओं के बीच विस्तृत चर्चा में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात पर हुए हमलों पर भारत की ओर से कड़ी निंदा और वहां के नेतृत्व एवं लोगों के प्रति भारत की एकजुटता दोहराई। प्रधानमंत्री ने होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित पारगमन और निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करने के पक्ष में भारत की स्पष्ट स्थिति सामने रखी, जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के साथ ही ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और ऊर्जा, व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, फिनटेक, अवसंरचना, शिक्षा, संस्कृति और आपसी जन-संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रणनीतिक साझेदारी सुदृढ़ होने का स्वागत किया। उन्होंने भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की सफलता की भी चर्चा की, जिससे द्विपक्षीय व्यापार नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है।

दोनों नेताओं ने जीवंत और बढ़ते द्विपक्षीय ऊर्जा साझेदारी की सराहना की, जिसमें कच्चे तेल, द्रवीकृत प्राकृतिक गैस-एलएनजी और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस— एलपीजी आपूर्ति सहित भारत की ऊर्जा सुरक्षा में संयुक्त अरब अमीरात की महत्वपूर्ण भूमिका बनी हुई है। दोनों नेताओं ने व्यापक ऊर्जा साझेदारी के लिए नई पहल को बढ़ावा देने पर सहमति जताई। इसी संदर्भ में उन्होंने इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिज़र्वस लिमिटेड (आईएसपीआरएल) और अबू धाबी के राष्ट्रीय पेट्रोलियम कंपनी के बीच रणनीतिक सहयोग समझौते का स्वागत किया, जिसके तहत भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में संयुक्त अरब अमीरात की हिस्सेदारी 30 मिलियन बैरल तक बढ़ाई जाएगी और भारत में रणनीतिक गैस भंडार स्थापित करने के लिए दोनों मिलकर काम करेंगे।

भारत में 5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा

दोनों नेताओं ने संयुक्त अरब अमीरात की कंपनियों द्वारा भारत में 5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा का स्वागत किया। इसमें अमीरात न्यू डेवलपमेंट बैंक द्वारा RBL बैंक ऑफ इंडिया में 3 अरब डॉलर का निवेश, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी द्वारा राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) के साथ भारत में प्राथमिकता वाली ढांचागत परियोजनाओं में 1 अरब डॉलर का निवेश और इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी द्वारा भारत की सम्मान कैपिटल में 1 अरब डॉलर का निवेश शामिल है।

दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में स्थिर और सुदृढ़ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के महत्व को स्वीकार किया। यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर हस्ताक्षर का भी उन्होंने स्वागत किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की यात्रा के दौरान दोनों नेता निम्न प्रमुख दस्तावेजों पर अंतिम सहमति के साक्षी बने, जो द्विपक्षीय सहयोग और मजबूत बनाएंगेः

- भारत सरकार द्वारा आरंभ की गई समुद्री विकास निधि योजना के तहत वाडीनार में अपतटीय निर्माण सहित पोत मरम्मत क्लस्टर स्थापित करने के लिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड और ड्राईडॉक्स वर्ल्ड, दुबई के बीच समझौता ज्ञापन।
- जहाज मरम्मत कार्य में कौशल विकास के लिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, ड्राईडॉक्स वर्ल्ड दुबई और समुद्री और जहाज निर्माण उत्कृष्टता केंद्र (सीईएमएस) के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन। यह कुशल समुद्री कार्यबल जुटाने, प्रशिक्षित करने और रोजगार देने के लिए एक ढांचा प्रदान करता है, भारतीय समुद्री कार्यबल की क्षमताओं को बढ़ाता है और भारत को कुशल पोत निर्माण और जहाज मरम्मत पेशेवर केंद्र के रूप में स्थापित करता है।
- भारत की 'प्रगत संगणन विकास केंद्र- सी-डैक और संयुक्त अरब अमीरात की जी-42 के बीच साझेदारी में 8 एक्साफ़्लॉप सुपर कंप्यूट क्लस्टर स्थापित करने (एक्साफ़्लॉप सुपर कंप्यूट क्लस्टर आधुनिक कंप्यूटिंग की सबसे शक्तिशाली श्रेणी जिसकी उच्च गणना क्षमता है) के लिए टर्म शीट (निवेश या व्यावसायिक सौदे के मुख्य नियमों और शर्तों का सारांश) पर चर्चा हुई। ■

प्रधानमंत्री मोदी जी की नीदरलैंड यात्रा

सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए एएसएमएल और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बीच समझौते पर हुए हस्ताक्षर

नीदरलैंड के प्रधानमंत्री श्री रॉब जेटेन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16-17 मई को नीदरलैंड की आधिकारिक यात्रा की। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी की नीदरलैंड की दूसरी यात्रा थी।

प्रधानमंत्री श्री जेटन और प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की, जिसके बाद 16 मई की शाम को रात्रिभोज का आयोजन किया गया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक और ऐतिहासिक व्यापारिक संबंधों, गहरे जन-संबंधों और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को याद किया और इन बहुआयामी संबंधों को और अधिक गहरा करने की इच्छा व्यक्त की।

रणनीतिक साझेदारी

दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों और बढ़ती समानताओं को देखते हुए दोनों नेताओं ने भारत और नीदरलैंड के संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया। इस संदर्भ में उन्होंने एक रणनीतिक साझेदारी रोडमैप को अपनाने का स्वागत किया, जिसके तहत दोनों पक्ष राजनीतिक, व्यापार और निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग, साइबर सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष, एआई और क्वांटम सिस्टम सहित महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों, विज्ञान एवं नवाचार, स्थिरता, स्वास्थ्य, सतत कृषि एवं खाद्य प्रणालियों, जल प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन एवं ऊर्जा संक्रमण, सतत परिवहन, समुद्री विकास, शिक्षा, संस्कृति एवं दोनों देशों की जनता के बीच संबंधों सहित सभी क्षेत्रों में नियमित और सुनियोजित सहयोग के ज़रिए कार्य करने पर सहमत हुए।

दोनों नेताओं ने इस संबंध में दिसंबर, 2025 में विभिन्न प्राथमिकता वाले क्षेत्रों जैसे रक्षा, सेमीकंडक्टर और संबंधित उभरती प्रौद्योगिकियों, डिजिटल और साइबरस्पेस में सहयोग बढ़ाने, दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों में सहयोग, संयुक्त व्यापार और निवेश समिति की स्थापना, साथ ही लोथल और एम्स्टर्डम के समुद्री संग्रहालयों के बीच सहयोग पर हुए समझौतों का स्वागत किया।

यूक्रेन के मुद्दे पर दोनों पक्षों ने जारी युद्ध पर चिंता जताई, जिसमें भारी तादाद में लोगों को कष्ट झेलने पड़ रहे हैं और जिसके वैश्विक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया/मध्य पूर्व की स्थिति पर भी गहरी चिंता जताई और क्षेत्र तथा व्यापक विश्व पर इसके गंभीर प्रभावों का उल्लेख किया, जिनमें भारी मानवीय पीड़ा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापार नेटवर्क में व्यवधान शामिल हैं।

श्री मोदी और श्री जेटन की उपस्थिति में 16 मई को गुजरात के धोलेरा में सेमीकंडक्टर फैब को सहयोग प्रदान करने के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और एएसएमएल के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

श्री मोदी ने इस साझेदारी को देश में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने की भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उल्लेखनीय है कि एएसएमएल एक डच बहुराष्ट्रीय कंपनी है और यह हाई-प्रिसिजन लिथोग्राफी इक्विपमेंट के प्रमुख सप्लायर्स में से एक है, जो सेमीकंडक्टर चिप्स के निर्माण में एक अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

चोल ताम्रपत्रों की वापसी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री श्री रॉब जेटन की उपस्थिति में लाइडेन विश्वविद्यालय पुस्तकालय ने 16 मई को 11वीं शताब्दी के चोल ताम्रपत्र भारत सरकार को लौटा दिए।

चोल ताम्रपत्र, जिनमें 21 बड़े ताम्रपत्र और 3 छोटे ताम्रपत्र सम्मिलित हैं, 11वीं शताब्दी ईस्वी के दौरान चोल राजाओं द्वारा जारी किए गए शाही अभिलेख हैं। ये अभिलेख अनैमंगलम ग्राम को तमिलनाडु के नागपट्टिनम स्थित 'चूलामणिवर्म-विहार' नामक बौद्ध विहार को भेंट किए जाने को औपचारिक रूप प्रदान करते हैं। इन ताम्रपत्रों में तमिल तथा संस्कृत भाषाओं में लिखित पाठ अंकित हैं।

अन्य प्रमुख दस्तावेज/समझौते

- भारत-नीदरलैंड रणनीतिक साझेदारी रोडमैप (2026-2030)
- भारत गणराज्य की सरकार और नीदरलैंड सरकार के बीच आवाजाही और प्रवासन पर समझौता ज्ञापन
- भारत के खान मंत्रालय और नीदरलैंड के विदेश मंत्रालय के बीच क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौता ज्ञापन ■

भारत-स्वीडन संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर बनी सहमति

स्वीडन के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 मई को स्वीडन के गोथेनबर्ग में प्रधानमंत्री श्री उल्फ क्रिस्टरसन के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। स्वीडन की क्राउन प्रिंसेस महारानी विक्टोरिया ने भी इस बैठक में भाग लिया और महामहिम राजा कार्ल सोलहवें गुस्ताफ और रानी सिल्विया की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

दोनों नेताओं ने भारत-स्वीडन संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा की और व्यापार एवं निवेश, नवाचार, हरित परिवर्तन, उभरती प्रौद्योगिकियों, रक्षा और सुरक्षा, डिजिटलीकरण, एसएमई, अंतरिक्ष, अनुसंधान, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी मेलजोल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ती गति को स्वीकार किया। उन्होंने इन संबंधों को मजबूत करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया, जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं और नवाचार, स्थिरता तथा आर-एंड-डी संबंधों से प्रेरित हैं।

भारत-स्वीडन संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर दोनों नेताओं ने सहमति व्यक्त की। यह रणनीतिक साझेदारी चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित होगी: स्थिरता और सुरक्षा के लिए रणनीतिक संवाद; अगली पीढ़ी की आर्थिक साझेदारी; उभरती प्रौद्योगिकियां और विश्वसनीय संपर्क; और साथ मिलकर भविष्य का निर्माण– लोग, ग्रह, स्वास्थ्य और लचीलापन। इस रणनीतिक साझेदारी को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए दोनों नेताओं ने भारत-स्वीडन संयुक्त कार्य योजना 2026-2030 को अपनाया, जो राजनीतिक, आर्थिक, तकनीकी, सुरक्षा, जलवायु और लोगों के आपसी जुड़ाव के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है।

प्रधानमंत्री ने यूरोपीय उद्योग गोलमेज को किया संबोधित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 मई को गोथेनबर्ग में यूरोपीय उद्योग गोलमेज़ (ईआरटी) को संबोधित किया। स्वीडन के प्रधानमंत्री श्री उल्फ क्रिस्टरसन, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष सुश्री उर्सुला वॉन डेर लेयेन, यूरोपीय उद्योग जगत के वरिष्ठ नेता तथा प्रमुख यूरोपीय और भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधियों ने इस बातचीत में भाग लिया, जिसकी मेज़बानी वोल्वो ग्रुप द्वारा की गई थी।

श्री मोदी ने भारत-यूरोपीय संघ संबंधों में हो रही प्रगति का स्वागत किया, जिसमें ऐतिहासिक भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की वार्ताओं का सफल समापन भी शामिल है। उन्होंने इस समझौते को एक परिवर्तनकारी आर्थिक साझेदारी बताया, जो व्यापार, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, सेवाओं तथा सुदृढ़ आपूर्ति शृंखलाओं में नए अवसर सृजित करेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) जैसी संपर्क परियोजनाएं भारत-यूरोप व्यापार साझेदारी में नया मूल्य जोड़ती हैं। ■

प्रधानमंत्री मोदी जी 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार, डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस' से सम्मानित

गोथेनबर्ग में आयोजित एक विशेष समारोह में स्वीडन की महामहिम क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया ने 17 मई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार, डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस' से सम्मानित किया। यह स्वीडन के सबसे प्राचीन और प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है, जिसकी स्थापना 18वीं शताब्दी में की गई थी। यह सम्मान स्वीडन द्वारा विदेशी शासनाध्यक्षों को असाधारण लोक सेवा तथा स्वीडन के साथ संबंधों को सुदृढ़ करने में योगदान देने के लिए प्रदान किया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए श्री मोदी ने इस सम्मान के लिए स्वीडन की महामहिम क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया तथा स्वीडन की जनता के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने यह सम्मान भारत के 1.4 अरब लोगों तथा भारत और स्वीडन के बीच स्थायी मित्रता को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' से सम्मानित किया जाना भारत और स्वीडन के बीच ऐतिहासिक संबंधों एवं सभ्यतागत बंधनों की पुनर्पुष्टि है तथा यह दोनों देशों की जनता को जोड़ने वाली आत्मीयता और स्नेह का सम्मान भी है। उल्लेखनीय है कि श्री मोदी इस सम्मान से सम्मानित होने वाले पहले एशियाई नेता हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जी की नॉर्वे यात्रा

भारत और नॉर्वे अपने संबंधों को 'ग्रीन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' के रूप में उन्नत करने पर हुए सहमत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 मई को ओस्लो में नॉर्वे के प्रधानमंत्री श्री जोनास गहर स्टोर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। भारत और नॉर्वे के बीच घनिष्ठ संबंधों के प्रतीक के रूप में एक विशेष भाव प्रदर्शित करते हुए ओस्लो हवाई अड्डे पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री श्री स्टोर ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

दोनों नेताओं ने भारत-नॉर्वे संबंधों के संपूर्ण आयामों की समीक्षा की, जिसमें व्यापार और निवेश, भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर अनुवर्ती कार्रवाई, जलवायु कार्रवाई और ऊर्जा परिवर्तन, ब्लू इकोनॉमी और ओशिन गवर्नेंस, अनुसंधान एवं उच्च शिक्षा, आर्कटिक व ध्रुवीय सहयोग, अंतरिक्ष और टैलेंट मोबिलिटी शामिल रहे। दोनों देश अपने संबंधों को 'ग्रीन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' के रूप में उन्नत करने पर सहमत हुए, जो सतत विकास और हरित प्रगति के प्रति उनकी साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

2030 तक भारत और नॉर्वे के बीच व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य

दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि आर्थिक और व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। प्रधानमंत्री ने भारत में नॉर्वेजियन उद्यमों द्वारा अधिक निवेश किए जाने का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक भारत और नॉर्वे के बीच वर्तमान व्यापार के मूल्य को दोगुना करने के लक्ष्य को रेखांकित किया और व्यावसायिक प्रतिनिधियों को विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय व्यावसायिक सहयोग की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि टीईपीए के तहत 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता को पूरा किया जा सके और भारत में एक मिलियन रोजगार के अवसरों का सृजन किया जा सके।

दोनों नेताओं ने अपनी टीमों को ब्लू इकोनॉमी में सहयोग को और प्रगाढ़ करने का निर्देश दिया, जिसमें समुद्री इकोसिस्टम का संरक्षण, जहाज निर्माण (शिपबिल्डिंग), पर्यावरण-अनुकूल नौवहन (ग्रीन शिपिंग), टनलिंग और इन्फ्रास्ट्रक्चर, अंतरिक्ष, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, नाविकों (सीफेयरर्स) का प्रशिक्षण, मत्स्य पालन और एक्वाकल्चर शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जी को रॉयल नॉर्वे ऑर्डर ऑफ मेरिट का ग्रैंड क्रॉस से सम्मानित किया गया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को नॉर्वे के महामहिम सम्राट हेराल्ड पंचम ने 18 मई को ओस्लो में आयोजित एक विशेष समारोह में 'द रॉयल नॉर्वे ऑर्डर ऑफ मेरिट के ग्रैंड क्रॉस' से सम्मानित किया। विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को प्रदान किया जाने वाला यह पुरस्कार नॉर्वे का सर्वोच्च सम्मान है। यह सम्मान नॉर्वे तथा मानवता के हित में उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में इस सम्मान के लिए नॉर्वे के महामहिम सम्राट हेराल्ड पंचम और नॉर्वे की जनता के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने इस पुरस्कार को भारत और नॉर्वे के बीच ऐतिहासिक मित्रता को समर्पित करते हुए इसे भारत और नॉर्वे की जनता के बीच साझा की गई अटूट गर्मजोशी, विश्वास और स्नेह के प्रति श्रद्धांजलि बताया।

यह सम्मान भारत और नॉर्वे के बीच मौजूद सद्भावना के गहरे बंधन का प्रतीक है और भविष्य में उनकी मित्रता तथा सहयोग की यात्रा का मार्गदर्शन करेगा।

पर्यावरण और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को रेखांकित करते हुए दोनों नेताओं ने कार्बन कैप्चर, यूटिलाइजेशन एंड स्टोरेज (सीसीयूएस), ऑफशोर विंड जैसी विशिष्ट तकनीकों में अधिक सहयोग करने तथा भारत में स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में नॉर्वे द्वारा बड़े पैमाने पर निवेश किए जाने का आह्वान किया।

दोनों नेताओं ने पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी तौर-तरीकों की पुष्टि करते हुए आर्कटिक में ध्रुवीय अनुसंधान और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा, महासागर, जलवायु, स्वास्थ्य, क्रिटिकल मिनरल्स, उभरती प्रौद्योगिकियों और आईटी सहित अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्य करने पर बल दिया। ■

प्रधानमंत्री मोदी जी ने तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया

यह शिखर सम्मेलन नॉर्डिक क्षेत्र के साथ भारत के बढ़ते जुड़ाव को और मजबूती प्रदान करेगा

ओस्लो में 19 मई, 2026 को तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हिस्सा लिया, यह नॉर्डिक क्षेत्र के साथ भारत के जुड़ाव की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस शिखर सम्मेलन में नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के नेताओं ने भाग लिया, जिसका प्रमुख केंद्र बिन्दु प्रौद्योगिकी, स्थिरता, नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक शासन था।

इस वर्ष नॉर्वे के प्रधानमंत्री श्री जोनास गहर स्टोर ने इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी की, इससे पहले 2018 में स्टॉकहोम और 2022 में कोपेनहेगन में यह सम्मेलन आयोजित किये जा चुके हैं। इस सम्मेलन में वैश्विक नेताओं ने बदलते भू-राजनीतिक और तकनीकी परिवेश को स्वीकार किया और भारत तथा नॉर्डिक देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस शिखर सम्मेलन के सबसे महत्वपूर्ण परिणामों में से एक, भारत-नॉर्डिक संबंधों को 'विश्वसनीय हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने का निर्णय था। इसके अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित बदलाव, चक्रीय अर्थव्यवस्था और सतत विकास पर भी बात हुई।

इस दौरान सहयोग के प्रमुख स्तंभों के रूप में प्रौद्योगिकी और नवाचार उभरकर सामने आए। इस शिखर सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर सुरक्षा, क्वांटम कंप्यूटिंग, डिजिटलीकरण, 5जी और 6जी प्रौद्योगिकियों तथा उन्नत विनिर्माण के क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने स्टेम (STEM) शिक्षा, नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और वैज्ञानिक अनुसंधान में साझेदारी पर भी जोर दिया।

व्यापार और आर्थिक सहयोग पर भी विशेष ध्यान दिया गया। नेताओं ने भारत-यूरोपिय संघ मुक्त व्यापार समझौते की वार्ताओं में हुई प्रगति और ईएफटीए देशों के साथ व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते के कार्यान्वयन का स्वागत किया। चर्चाओं में लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं, निवेश साझेदारियों और शोधकर्ताओं, छात्रों तथा कुशल पेशेवरों के लिए आवागमन को सुगम बनाने पर भी प्रकाश डाला गया।

इस शिखर सम्मेलन में समुद्री सहयोग, आर्कटिक अनुसंधान, नीली अर्थव्यवस्था (ब्लू इकॉनोमी) की पहलों, बहुपक्षीय सुधारों और रक्षा सहयोग जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र, कानून का शासन और बहुपक्षवाद के प्रति प्रतिबद्धता ही भारत और नॉर्डिक देशों को 'स्वाभाविक साझेदार' बनाती है।

इस शिखर सम्मेलन ने नॉर्डिक क्षेत्र के साथ भारत के बढ़ते जुड़ाव को और सुदृढ़ किया तथा प्रौद्योगिकी, स्थिरता और नवाचार के क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग के लिए नए अवसर सृजित किए। ■

प्रधानमंत्री मोदी जी संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के प्रतिष्ठित 'एग्रीकोला मेडल' से सम्मानित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को 20 मई को रोम स्थित खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार भारत और वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा, सतत कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उनके असाधारण नेतृत्व को मान्यता देते हुए प्रदान किया गया है।

प्रधानमंत्री ने एफएओ के महानिदेशक डॉ. क्वू डोंग्यू से यह पुरस्कार ग्रहण किया। उन्होंने यह सम्मान भारतीय किसानों और भारतीय कृषि वैज्ञानिक समुदाय को समर्पित किया, जो भारतीय लोगों के साथ-साथ विश्वभर के लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा और पोषण सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम करते हैं। उन्होंने बताया कि यह सम्मान मानव कल्याण, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास के प्रति भारत की दृढ़ता के प्रति आदर को दर्शाता है। भारत में किसानों के जीवन के महत्व को उजागर करते हुए श्री मोदी ने कहा कि कृषि धरती माता और भारतीय जनता के बीच एक पवित्र बंधन है। ■

प्रधानमंत्री की इटली यात्रा

भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय

इटली गणराज्य की मंत्रिपरिषद् की अध्यक्ष (प्रधानमंत्री) सुश्री जॉर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19-20 मई को इटली की आधिकारिक यात्रा की। यह यात्रा जून, 2024 में जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए श्री मोदी की इटली यात्रा और 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री सुश्री मेलोनी की भारत यात्रा के बाद हुई, जिसने द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान की।

श्री मोदी ने 20 मई को रोम में सुश्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ औपचारिक वार्ता की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की मजबूत गति और द्विपक्षीय सहयोग में मज़बूत वृद्धि और विविधीकरण का स्वागत किया। उन्होंने भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया। दोनो नेताओं ने बहुपक्षीय आयोजनों के दौरान होने वाली बैठकों सहित नेताओं की वार्षिक बैठकों के साथ-साथ नियमित मंत्रिस्तरीय और संस्थागत स्तर की बैठकों के आयोजन पर भी सहमति व्यक्त की।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय आर्थिक और औद्योगिक सहयोग की बढ़ती गतिशीलता पर संतोष व्यक्त किया, जिसके तहत पिछले वर्ष से अब तक तीन उच्च स्तरीय व्यापार मंच (बिजनेस फोरम) आयोजित किए जा चुके हैं। भारत के तीव्र एवं सतत आर्थिक विकास से पैदा होने वाले अवसरों और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ताओं के सफल समापन के आधार पर दोनों पक्षों ने 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक पहुंचाने के साझा लक्ष्य की फिर से पुष्टि की।

दोनों नेताओं ने प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय निवेश में हुई वृद्धि का स्वागत किया और मजबूत आपूर्ति शृंखलाएं विकसित करने के लिए उद्योगों को औद्योगिक और तकनीकी साझेदारियां बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

'क्रिटिकल मिनरल्स' में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दोनों प्रधानमंत्रियों ने 'क्रिटिकल मिनरल्स' यानी महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने सतत विकास और मजबूत आपूर्ति शृंखलाओं पर विशेष ध्यान देते हुए महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने पुनः पुष्टि की कि नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी भारत-इटली साझेदारी के प्रमुख प्रेरक हैं। उन्होंने भारत में स्थित 'INNOVIT India' नामक नवाचार केंद्र की स्थापना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के नवाचार तंत्रों के बीच सहयोग को मजबूत करना, स्टार्टअप कार्यक्रमों, बाजार पहुंच, संयुक्त अनुसंधान, विश्वविद्यालय सहयोग और प्रतिभा गतिशीलता को बढ़ावा देना है।

इतालवी अंतरिक्ष एजेंसी (एएसआई) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बीच चल रहे सहयोग की सराहना करते हुए दोनों नेताओं ने पृथ्वी अवलोकन (अर्थ ऑब्जर्वेशन), हेलियोफिज़िक्स और अंतरिक्ष अन्वेषण पर साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति जताई, जिसमें केंद्रित विषयगत जुड़ाव शामिल है। साथ ही, अंतरिक्ष तक पहुंच और अंतरिक्ष बुनियादी ढांचे के संरक्षण पर सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर भी सहमति बनी।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने मंत्रिस्तरीय आदान-प्रदान, सेनाओं के बीच संबंधों, बंदरगाह दौरों सहित रक्षा सहयोग मजबूत होने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने संयुक्त आशय घोषणा और रक्षा औद्योगिक रोडमैप को अपनाने का स्वागत किया, जो तकनीकी सहयोग, सह-उत्पादन और सह-विकास परियोजनाओं के लिए साझेदारी को बढ़ावा देगा। दोनों नेताओं ने संस्कृति को द्विपक्षीय संवाद के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में रेखांकित किया और लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के विकास में इटली की भागीदारी के संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने का स्वागत किया।

भारत-यूरोपीय संघ संबंध

नेताओं ने 27 जनवरी, 2026 को भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में सहमति व्यक्त किए गए नए संयुक्त भारत-यूरोपीय संघ व्यापक रणनीतिक एजेंडे और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की वार्ताओं के सफल समापन का स्वागत किया। यह समझौता बाजार पहुंच बढ़ाने, व्यापार बाधाओं को कम करने और विविधीकृत मूल्य शृंखलाओं तथा नए बाजार अवसरों के माध्यम से आर्थिक सुरक्षा और मजबूती को सुदृढ़ कर संबंधों को नई ऊंचाई देगा। ■

लेख

भारत और स्वीडनः ग्रोथ, रेजिलिएंस और सस्टेनेबिलिटी की साझा राह

नरेन्द्र मोदी

भारत के प्रधानमंत्री

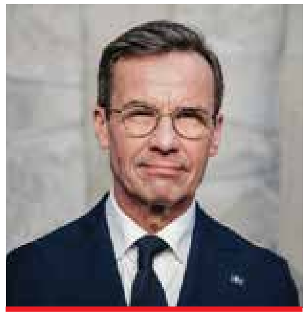

उल्फ क्रिस्टरसन

स्वीडन के प्रधानमंत्री

ऐसे समय में जब भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा असुरक्षा और आर्थिक विभाजन बढ़ रहा है, विश्व के सामने दो रास्ते हैं — या तो संकीर्ण राष्ट्रीय सोच तक सिमट जाए, या फिर ऐसी साझेदारियों को मजबूत करे जो साथ मिलकर ग्रोथ, रेजिलिएंस और सस्टेनेबिलिटी को आगे बढ़ाएं।

संयुक्त राष्ट्र अपने 80वें स्थापना वर्ष का प्रतीकात्मक पड़ाव मना रहा है। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और बहुपक्षवाद का महत्व पहले से अधिक स्पष्ट हो गया है। साथ ही, वैश्विक शासन संस्थाओं में मौजूदा परिस्थितियों के अनुरूप सुधार की आवश्यकता को अब नजरअंदाज करना संभव नहीं रह गया है।

अंतरराष्ट्रीय कानून और देशों की संप्रभु समानता पर एक नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था ने दशकों तक अपेक्षाकृत स्टेबिलिटी और डेवलपमेंट सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन आज क्लाइमेट चेंज, औद्योगिक बदलाव, सप्लाई चेन में बाधाएं और ऊर्जा परिवर्तन जैसी चुनौतियां व्यावहारिक और समावेशी सहयोग की नई भावना की मांग करती हैं।

क्लाइमेट चेंज जैसी चुनौतियां बहुत कम हैं, जो इतनी व्यापक और दूरगामी प्रभाव वाली हों। इसका असर भारत, स्वीडन और दुनिया के हर क्षेत्र की समाज और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। लेकिन जलवायु संबंधी कदमों को विकास की आकांक्षाओं से अलग करके नहीं देखा जा सकता। आज भी अरबों लोग बेहतर जीवन स्तर, रोजगार, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी तक पहुंच की उम्मीद रखते हैं। ऐसे में विकास और अवसर सुनिश्चित करते हुए सतत प्रगति को आगे बढ़ाना कोई विरोधाभास नहीं है, बल्कि यह हमारे समय की सबसे बड़ी आर्थिक और राजनीतिक जिम्मेदारी बन चुका है।

भारत दुनिया की फास्टेस्ट ग्रोइंग इकोनॉमी में से एक बनकर उभरा है, साथ ही यह रिन्यूएबल एनर्जी परिवर्तन अभियानों में से एक को भी आगे बढ़ा रहा है। इस सोच के पीछे एक स्पष्ट उद्देश्य हैः जलवायु संबंधी महत्वाकांक्षाओं और विकास की वास्तविक आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित करना।

एक प्रमुख ग्रोथ इंजन और ग्लोबल साउथ की जिम्मेदार आवाज के रूप में भारत के निकट भविष्य के दो प्रमुख लक्ष्य हैं: 2047 तक 'विकसित देश' का दर्जा प्राप्त करना और 2070 तक शुद्ध जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य पूरा करना। ये दोनों घरेलू लक्ष्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

ग्लोबल कोऑपरेशन और कई अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म की मदद से भारत ने इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इनमें संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर शुरू किए गए 'लीडरशिप ग्रुप फॉर इंडस्ट्री ट्रांजिशन' (LeadIT), इंटरनेशनल सोलर अलायंस, ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस और मिशन LiFE जैसे प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इन पहलों के माध्यम से भारत ग्लोबल साउथ की एक जिम्मेदार आवाज के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है।

वहीं, स्वीडन यूरोपीय क्लाइमेट एक्शन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। दशकों पहले लिए गए दूरदर्शी फैसलों की बदौलत वहां का बिजली ग्रिड आज 98 प्रतिशत तक जीवाश्म ईंधन मुक्त हो चुका है। जलवायु-अनुकूल समाधान विकसित करने और उनके निर्यात में प्राइवेट सेक्टर की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण रही है। कुल मिलाकर, 1990 के बाद से स्वीडन के उत्सर्जन में एक-तिहाई से अधिक की कमी आई है, जबकि इसी अवधि में उसकी अर्थव्यवस्था लगभग दोगुनी हो गई है।

भारत और स्वीडन की नीतियां इस व्यापक सोच को दर्शाती हैं कि क्लाइमेट एक्शन केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार पैदा कर सकती है, अवसरों का विस्तार कर सकती है, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत कर सकती है और लोगों के जीवन को बेहतर बना सकती है। लक्ष्य केवल घरेलू विकास मॉडल को डीकार्बोनाइज करना नहीं, बल्कि ऐसी साझेदारियां बनाना भी है जो बड़े स्तर पर स्वच्छ औद्योगिकीकरण को संभव बना सकें।

इसी सोच के साथ भारत और स्वीडन ने 17 मई को गोथेनबर्ग में मुलाकात की। यह साझेदारी इस साझा विश्वास को दर्शाती है कि औद्योगिक परिवर्तन गवर्मेंट, इंडस्ट्री, इनोवेटर्स और वित्तीय संस्थानों के सहयोग से आगे बढ़ाया जा सकता है।

ग्रीन ट्रांजिशन केवल पर्यावरण की आवश्यकता नहीं है, बल्कि यह प्रतिस्पर्धात्मकता, आर्थिक मजबूती और लॉन्ग-टर्म ग्रोथ के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत और स्वीडन ने 2019 में संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से शुरू किए गए LeadIT के माध्यम से इस सहयोग की उपयोगिता को साबित किया है। इस पहल ने औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन और उन क्षेत्रों को, जहां उत्सर्जन कम करना कठिन है, ग्लोबल क्लाइमेट डिस्कशन के

केंद्र में लाने में मदद की है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने दिखाया है कि डेवलप्ड और डेवलपिंग अर्थव्यवस्थाएं विश्वास, इनोवेशन और साझा जिम्मेदारी के आधार पर मिलकर समाधान तैयार कर सकती हैं।

हालांकि, आज चुनौतियों का दायरा और उनकी तात्कालिकता इस बात की मांग करती है कि अब हमें और अधिक तेजी से और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ना होगा।

LeadIT के अगले चरण को अब केवल विचारों तक सीमित न रहकर बड़े स्तर पर वास्तविक क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यह प्लेटफॉर्म तकनीकी साझेदारियों को गति देने, औद्योगिक पायलट प्रोजेक्ट को सक्षम बनाने, सस्टेनेबल फाइनेंस, क्लीन एनर्जी सप्लाई चेन को मजबूत करने और ग्लोबल लेवल पर प्रतिस्पर्धी कम-कार्बन उद्योगों के निर्माण में एक प्रभावी माध्यम साबित हुआ है।

अगले चरण का उद्देश्य वर्कफोर्स ट्रांजिशन, स्किल डेवलपमेंट और फाइनेंशियल आर्किटेक्चर को समर्थन देना होना चाहिए, जो जोखिम कम करे और औद्योगिक परिवर्तन के लिए पूंजी की लागत को घटाए।

हर देश को हर समाधान खुद विकसित करने की जरूरत नहीं है, लेकिन हर देश को अपनी विकास संबंधी जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुसार तकनीकों को अपनाने, लागू करने और बड़े स्तर पर इस्तेमाल करने का अवसर जरूर मिलना चाहिए। प्रदूषण सीमाओं को नहीं पहचानता, इसलिए उसके समाधान भी सीमाओं तक सीमित नहीं हो सकते।

इसलिए, हम वर्ष 2030 तक इस साझेदारी को और व्यापक तथा मजबूत बनाने का आह्वान करते हैं। हम अधिक देशों को, विशेष रूप से मजबूत इनोवेशन इकोसिस्टम और क्लीन टेक्नोलॉजी में अग्रणी नॉर्डिक देशों को इस प्रयास में शामिल होने और सक्रिय योगदान देने के लिए आमंत्रित करते हैं। औद्योगिक बदलाव तभी सफल हो सकता है, जब वह वास्तविक आर्थिक लाभ और सामाजिक प्रगति सुनिश्चित करे।

सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जलविद्युत, परमाणु ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण तकनीक और कम कार्बन उत्सर्जन वाले औद्योगिक समाधान, राष्ट्रीय परिस्थितियों और प्राथमिकताओं के अनुसार महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कोई भी देश अकेले हर महत्वपूर्ण तकनीक, खनिज या औद्योगिक संसाधन को हासिल नहीं कर सकता। न ही कोई राष्ट्र अकेले क्लाइमेट चेंज का सामना कर सकता है। प्रदूषण सीमाओं को नहीं पहचानता — इसलिए उसके समाधान भी वैश्विक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने चाहिए।

हमारे सामने मौजूद यह अवसर केवल क्लाइमेट पॉलिसी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इंडस्ट्रियल कोऑपरेशन के एक नए दौर को आकार देने का मौका भी है। ■

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बी.सी. खंडूरी नहीं रहे

श्रद्धांजलि

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री बी. सी. खंडूरी का 19 मई, 2026 को देहरादून में 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन के साथ ही उत्तराखंड की राजनीति में एक युग का अंत हो गया। श्री खंडूरी ने अपनी ईमानदारी, अनुशासन और विकास के प्रति समर्पण के लिए व्यापक सम्मान प्राप्त किया।

1 अक्टूबर, 1934 को देहरादून में जन्मे श्री भुवन चंद्र खंडूरी ने अपने करियर की शुरुआत भारतीय सेना से की थी और राजनीति में आने से पहले वे मेजर जनरल के पद तक पहुंचे थे। उन्होंने लोकसभा में गढ़वाल निर्वाचन क्षेत्र का कई बार प्रतिनिधित्व किया और वाजपेयी सरकार में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री के रूप में भी कार्य किया। वर्ष 2007 में विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के बाद श्री खंडूरी उत्तराखंड के पहले निर्वाचित भाजपा मुख्यमंत्री बने। बाद में उन्होंने 2011 से 2012 तक मुख्यमंत्री के रूप में अपना दूसरा कार्यकाल भी पूरा किया।

विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनके निधन पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया और राष्ट्र तथा सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान को याद किया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "भाजपा के वरिष्ठ नेता, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खण्डूडी (सेवानिवृत्त) जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है।

उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा एवं सुशासन के उच्च आदर्शों के प्रति समर्पित किया। उत्तराखंड की विकास यात्रा में उनका योगदान तथा केंद्र सरकार में सड़क परिवहन मंत्री के रूप में उनकी भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकसंतप्त परिजनों को इस कठिन समय में संबल दें।"

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने उनके निधन को राज्य और राष्ट्रीय, दोनों ही राजनीति के लिए एक 'अपूरणीय क्षति' बताया। ■

लेख

इटली और भारत: इंडो-मेडिटेरेनियन के लिए एक स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप

नरेन्द्र मोदी

भारत के प्रधानमंत्री

जॉर्जिया मेलोनी

इटली की प्रधानमंत्री

भारत और इटली के बीच संबंध अब एक निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तेजी आई है और यह सौहार्दपूर्ण मित्रता से आगे बढ़कर स्वतंत्रता, लोकतंत्र और भविष्य को लेकर साझा विजन पर आधारित एक सच्ची स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप में बदल गए हैं।

ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था गहरे बदलाव के दौर से गुजर रही है, इटली और भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर नियमित संवाद से आगे बढ़ रही है और अब एक नए तथा व्यापक आयाम हासिल कर रही है, जो हमारी आर्थिक गतिशीलता, सामाजिक रचनात्मकता और हजारों साल पुरानी सभ्यतागत समझ को साथ जोड़ती है। हमारा सहयोग इस साझा समझ को दर्शाता है कि 21वीं सदी में समृद्धि और सुरक्षा इस बात से तय होगी कि देश इनोवेशन, एनर्जी ट्रांजिशन के प्रबंधन और स्ट्रैटेजिक संप्रभुता को मजबूत करने में कितने सक्षम हैं। इसी उद्देश्य से हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा तथा डाइवर्स बनाने का संकल्प लिया है, ताकि नए लक्ष्यों को हासिल किया जा सके और एक-दूसरे की पूरक क्षमताओं का बेहतर उपयोग हो सके। हमारा लक्ष्य इटली की डिजाइन क्षमता, मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंस और वर्ल्ड-क्लास सुपरकंप्यूटर्स, जो उसे एक इंडस्ट्रियल पावरहाउस बनाते हैं, को भारत की तेज आर्थिक ग्रोथ, इंजीनियरिंग टैलेंट, बड़े पैमाने की क्षमता, इनोवेशन और 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न तथा 2 लाख स्टार्ट-अप वाले एंटरप्रेन्योरशिप इकोसिस्टम के साथ जोड़कर मजबूत तालमेल बनाना है। यह केवल साधारण इंटीग्रेशन नहीं, बल्कि ऐसा साझा वैल्यू क्रिएशन है जिसमें दोनों देशों की औद्योगिक ताकतें एक-दूसरे को और मजबूत बनाती हैं।

यूरोपियन यूनियन और भारत के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट दोनों दिशाओं में ट्रेड और इनवेस्टमेंट बढ़ाने का रास्ता खोलता है। हमारा लक्ष्य 2029 तक इटली और भारत के बीच 20 बिलियन यूरो के ट्रेड टारगेट को हासिल करना और उससे आगे निकलना है। इसके लिए डिफेंस और एयरोस्पेस, क्लीन टेक्नोलॉजी, मशीनरी, ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स, केमिकल्स, फार्मास्युटिकल्स, टेक्सटाइल, एग्री-फूड, टूरिज्म समेत कई सेक्टर्स पर फोकस किया जाएगा।

'मेड इन इटली' हमेशा से पूरी वर्ल्ड में एक्सीलेंस का प्रतीक रहा है और आज इसकी स्वाभाविक साझेदारी 'मेक इन इंडिया' पहल के हाई-क्वालिटी लक्ष्यों के साथ बन रही है। इस संदर्भ में भारत के लिए प्रोडक्शन को लेकर इटली की कंपनियों की बढ़ती रुचि और इटली में भारतीय इंडस्ट्री की बढ़ती मौजूदगी, जिनकी संख्या अब दोनों तरफ से 1,000 से ज्यादा हो चुकी है, एक सकारात्मक संकेत है जो हमारी सप्लाई चेन के इंटीग्रेशन को और मजबूत करेगा।

टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन हमारी साझेदारी के केंद्र में है। आने वाले दशकों को ऐसी टेक्नोलॉजिकल क्रांति आकार देगी, जिसका दायरा बेहद व्यापक होगा। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, क्रिटिकल मिनरल्स और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे सेक्टर्स में तेज प्रगति शामिल है। भारत का डायनामिक इनोवेशन इकोसिस्टम, हाई स्किल्ड प्रोफेशनल टैलेंट पूल और इटली की एडवांस्ड इंडस्ट्रियल क्षमताएं इन सेक्टर्स में हमारे सहयोग को स्वाभाविक और रणनीतिक बनाती हैं। हमारी यूनिवर्सिटीज और रिसर्च सेंटर्स के बीच बढ़ती साझेदारी भी इसे मजबूत आधार देगी।

भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पहले ही बड़ी संख्या में देशों, खासकर ग्लोबल साउथ में, अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। खासतौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब हमारे समाज और ग्लोबल अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल रही है। इटली और भारत लंबे समय से यह सुनिश्चित करने के लिए साथ काम कर रहे हैं कि AI डेवलपमेंट जिम्मेदारीपूर्ण और मानव-केंद्रित हो। इसी नजरिये से भारत

हमारा लक्ष्य इटली की डिजाइन क्षमता, मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंस और वर्ल्ड-क्लास सुपरकंप्यूटर्स, जो उसे एक इंडस्ट्रियल पावरहाउस बनाते हैं, को भारत की तेज आर्थिक ग्रोथ, इंजीनियरिंग टैलेंट, बड़े पैमाने की क्षमता, इनोवेशन और 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न तथा 2 लाख स्टार्ट-अप वाले एंटरप्रेन्योरशिप इकोसिस्टम के साथ जोड़कर मजबूत तालमेल बनाना है

और इटली AI को समावेशी विकास के एक मजबूत माध्यम के रूप में भी देखते हैं, खासकर ग्लोबल साउथ के लिए, जहां डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुलभ बहुभाषी टेक्नोलॉजी विभाजन बढ़ाने के बजाय उसे कम कर सकती हैं। टेक्नोलॉजी के केंद्र में इंसान को रखने वाले भारत के MANAV विजन और मानवीय परंपरा पर आधारित मानव-केंद्रित 'एल्गोर-एथिक्स' को बढ़ावा देने में इटली की अग्रणी भूमिका के आधार पर हमारी साझेदारी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि AI सामाजिक सशक्तीकरण का माध्यम बने। हमारा दृष्टिकोण भारत की डिजिटल क्षमता को इटली की एथिकल और इंडस्ट्रियल विशेषज्ञता के साथ जोड़ता है, ताकि टेक्नोलॉजी मानव गरिमा की सेवा करे। सुरक्षित डिजिटल सहयोग, कैपेसिटी बिल्डिंग और मजबूत साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी बेस्ट प्रैक्टिसेज को साझा करते हुए हमारा लक्ष्य ऐसा स्वतंत्र, भरोसेमंद और समान अवसर वाला डिजिटल स्पेस तैयार करना है, जिसमें हर देश AI को आकार देने और उससे लाभ उठाने में सक्षम हो। यही दृष्टिकोण इटली की G-7 प्रेसीडेंसी और नई दिल्ली में आयोजित AI इम्पैक्ट समिट 2026 के निष्कर्षों के केंद्र में है। AI को इंसानों द्वारा इंसानों के लिए बनाए गए एक माध्यम के रूप में देखने का मतलब यह स्पष्ट करना है कि टेक्नोलॉजी न तो लोगों की जगह ले सकती

सिक्योरिटी और स्टेबिलिटी देशों की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी बनी हुई हैं। इटली और भारत डिफेंस, सिक्योरिटी और स्ट्रैटेजिक टेक्नोलॉजी जैसे सेक्टर्स में अपने सहयोग को और मजबूत करना चाहते हैं। हमारा सहयोग महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क, ड्रग तस्करी, साइबर क्राइम और मानव तस्करी जैसे खतरों के खिलाफ मजबूती बढ़ाने में मदद करेगा

है, न उनके मौलिक अधिकारों को कमजोर कर सकती है और न ही इसका इस्तेमाल जनमत को प्रभावित करने या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बदलने के लिए होना चाहिए। तेजी से जुड़ती दुनिया में स्वतंत्रता और मानव गरिमा की रक्षा को लेकर हमारा दृष्टिकोण इसी चुनौती पर आधारित है।

हमारा सहयोग स्पेस सेक्टर तक भी फैला हुआ है। स्पेस एक्सप्लोरेशन और सैटेलाइट टेक्नोलॉजी में भारत की प्रभावशाली प्रगति, साथ ही एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में इटली की उत्कृष्ट क्षमता, संयुक्त पहलों और अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट के लिए बड़े अवसर प्रदान करती है।

सिक्योरिटी और स्टेबिलिटी देशों की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी बनी हुई हैं। इटली और भारत डिफेंस, सिक्योरिटी और स्ट्रैटेजिक टेक्नोलॉजी जैसे सेक्टर्स में अपने सहयोग को और मजबूत करना चाहते हैं। हमारा सहयोग महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क, ड्रग तस्करी, साइबर क्राइम और मानव तस्करी जैसे खतरों के खिलाफ मजबूती बढ़ाने में मदद करेगा।

एनर्जी हमारी साझेदारी का एक और प्रमुख स्तंभ है। डाइवर्सिफाइड एनर्जी सोर्सेज की ओर बढ़ रहे ग्लोबल ट्रांजिशन के लिए इनोवेशन, इनवेस्टमेंट और सहयोग की जरूरत है। भारत और इटली रिन्यूएबल एनर्जी से लेकर हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी तक और स्मार्ट ग्रिड से लेकर मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तक कई क्षेत्रों में साथ काम कर रहे हैं। ग्रीन हाइड्रोजन एक्सपोर्ट हब बनने की भारत की पहल जहां अपार संभावनाएं प्रदान करती है, वहीं यह रिन्यूएबल इंफ्रास्ट्रक्चर में इटली की एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और यूरोप के लिए एनर्जी गेटवे के रूप में उसकी रणनीतिक भूमिका के साथ पूरी तरह मेल खाती है। इस संदर्भ में भारत की अगुवाई वाली प्रमुख पहलों, इंटरनेशनल सोलर अलायंस (ISA), कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (CDRI) और ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस (GBA) में अन्य देशों के साथ हमारा सहयोग भी महत्वपूर्ण है।

फिजिकल, डिजिटल और मानवीय कनेक्टिविटी वह कड़ी है जो हमें एक साथ जोड़ती है। भारत और इटली दोनों ग्लोबल अर्थव्यवस्था के दो अहम केंद्रों, इंडो-पैसिफिक और मेडिटेरेनियन, के मध्य स्थित हैं। इन क्षेत्रों को अलग-अलग दायरों के रूप में नहीं, बल्कि तेजी से एक-दूसरे से जुड़ते हुए क्षेत्रों के रूप में देखा जाना चाहिए।

दरअसल, हम उस उभरते हुए 'इंडो-मेडिटेरेनियन' को देख रहे हैं, जो ट्रेड, टेक्नोलॉजी, एनर्जी, डेटा और विचारों का एक महत्वपूर्ण कॉरिडोर बनता जा रहा है, जो हिंद महासागर को यूरोप से जोड़ता है। इसी आपस में जुड़े हुए क्षेत्र में हमारे संबंध स्वाभाविक रूप से एक विशेष स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप में विकसित हो रहे हैं, जो दो महाद्वीपों को जोड़ते हुए नई ग्लोबल डायनामिक्स को आकार दे रही है।

इसी संदर्भ में इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर हमारे क्षेत्रों को मॉडर्न ट्रांसपोर्ट और इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल नेटवर्क, एनर्जी सिस्टम और मजबूत सप्लाई चेन के जरिए जोड़ने की एक दूरदर्शी पहल है। भारत और इटली इस विजन को हकीकत में बदलने के लिए अन्य साझेदार देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

हम अपनी साझा चुनौतियों का समाधान दोनों देशों के बीच गहरी साझेदारी और दीर्घकालिक सांस्कृतिक संबंधों के आधार पर कर सकते हैं। भारतीय संस्कृति में 'धर्म' की अवधारणा उस जिम्मेदारी की भावना को दर्शाती है, जो हमारे कार्यों का आधार बननी चाहिए, जबकि 'वसुधैव कुटुम्बकम', यानी 'पूरी दुनिया एक परिवार है', का सिद्धांत आज के आपस में जुड़े डिजिटल युग में गहराई से प्रतिध्वनित होता है। ऐसे मूल्य इटली की पुनर्जागरण काल से जुड़ी मानवतावादी परंपरा में भी स्वाभाविक रूप से दिखाई देते हैं, जो हर व्यक्ति की गरिमा और समाजों तथा लोगों को जोड़ने में संस्कृति की शक्ति को महत्व देती है।

इसलिए हमारा साझा विजन लोगों को केंद्र में रखकर मजबूत और भविष्योन्मुखी भारत-इटली साझेदारी की नींव रखना है। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का राहुल गांधी के आपत्तिजनक बयान पर करारा हमला

प्रधानमंत्री मोदीजी के विरुद्ध अमर्यादित बयान राहुल गांधी की अराजकतावादी मानसिकता को दर्शाता है : नितिन नवीन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 20 मई, 2026 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध राहुल गांधी के अमर्यादित, आपत्तिजनक एवं शर्मनाक बयान की कड़ी निंदा की और इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह राहुल गांधी की अराजकतावादी और हताश मानसिकता को दर्शाता है। भारतीय राजनीति में सम्मान और शुचिता की परंपरा रही है, लेकिन जनता द्वारा बार-बार नकारे जाने और खारिज किये जाने से कांग्रेस की लगातार चुनावी हार के कारण राहुल गांधी के स्वभाव में हताशा और निराशा झलकने लगी है। श्री नवीन ने कांग्रेस पर देश की जमीन और जमीर को कमजोर करने तथा सैनिकों का मनोबल न बढ़ाने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित और आत्मविश्वासी बना है।

श्री नवीन ने कहा कि राहुल गांधी का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ दिया गया आज का बयान अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और यह कहीं न कहीं उनकी अराजकतावादी मानसिकता को दर्शाता है। भारतीय राजनीति में शुचिता, सामाजिकता और एक-दूसरे को सम्मान देने की परंपरा रही है, ऐसे में राहुल गांधी का यह बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। लगातार मिल रही हार और निराशा अब राहुल गांधी के स्वभाव और चरित्र में भी दिखाई देने लगी है। यही हताशा और निराशा उनके इस प्रकार के शब्दों और बयानों में झलक रही है। राहुल गांधी जी, आपके पूर्वजों ने इस देश की जमीन और जमीर को हमेशा गिरवी रखने का पाप किया और कभी भी देश के सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने का कार्य नहीं किया, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की जमीन भी सुरक्षित हुई है और देशवासियों का जमीर भी मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि देश में जब-जब कांग्रेस की सरकार रही, तब-तब पूरा शासन भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा रहा। आज भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद पर भी नकेल कसी गई है जिससे आतंकवाद को पालने-पोषने वालों के हौंसले पूरी तरह से पस्त हो गए हैं। राहुल गांधी बताएं कि आखिर वे किस प्रकार के शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं? क्या नक्सलवाद को समाप्त करना गद्दारी है? क्या देश की जमीन को सुरक्षित रखना गद्दारी है? क्या पूरे विश्व में भारत के तिरंगे का सम्मान बढ़ाना गद्दारी है? कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा ऐसे शब्दों का प्रयोग समझ से परे है और सर्वथा निंदनीय है।

श्री नवीन ने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय देश के सैनिकों के सिर काट दिए जाते थे, तब भी कांग्रेस मौन बैठी रहती थी। लेकिन भारतीय सेना को सम्मान और स्वाभिमान के साथ कार्य करने का जो आज अवसर मिला है, वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में मिला है। राहुल गांधी भारतीय राजनीति के ऐसे राहु बन गए हैं, जो देश की राजनीति के वातावरण को लगातार गंदा और दूषित करने का काम कर रहे हैं। राहुल गांधी का यह बयान अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का ही नहीं, बल्कि देश की 140 करोड़ जनता का भी अपमान किया है। राहुल गांधी शायद पुरानी बातों से कोई सबक नहीं लेते। जब-जब राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अपमान किया है, तब-तब देश की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को और अधिक आशीर्वाद दिया है, अपना समर्थन दिया है और उन्हें विजय की माला पहनाई है। आने वाले समय में भी राहुल गांधी और कांग्रेस को अपने दुर्भाग्यपूर्ण बयानों की बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। ■

मुख्य बिंदु

- राहुल गांधी के अमर्यादित, आपत्तिजनक एवं शर्मनाक बयान की जितनी भी निंदा की जाय, कम है
- राहुल गांधी और कांग्रेस को अपने दुर्भाग्यपूर्ण बयानों की बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी
- राहुल गांधी भारतीय राजनीति के ऐसे राहु बन गए हैं, जो देश की राजनीति के वातावरण को लगातार गंदा और दूषित कर रहे हैं
- राहुल गांधी बताएं कि क्या नक्सलवाद को समाप्त करना गद्दारी है? क्या देश की जमीन को सुरक्षित रखना गद्दारी है? क्या पूरे विश्व में भारत के तिरंगे का सम्मान बढ़ाना गद्दारी है?
- राहुल गांधी और कांग्रेस ने जब-जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अपमान किया है, तब-तब देश की जनता ने प्रधानमंत्री जी को और अधिक आशीर्वाद देकर राहुल गांधी को करारा जवाब दिया है

डबल इंजन सरकार ओडिशा को विकास के नए आयाम तक पहुंचा रही है : नितिन नवीन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 17 एवं 18 मई, 2026 को अपने दो-दिवसीय ओडिशा प्रवास के दौरान कई संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं बैठकों में भाग लिया। उनके साथ इन बैठकों में मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री मनमोहन सामल, केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और श्री जुएल ओरांव सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

श्री नवीन ने सबसे पहले प्रदेश भाजपा कार्यालय, भुबनेश्वर में प्रदेश भाजपा कोर कमिटी की बैठक ली तथा ओडिशा में चल रहे पार्टी के कार्यक्रमों की समीक्षा की। श्री नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी के नेतृत्व में 'डबल इंजन' सरकार ओडिशा को विकास के नए आयाम तक पहुंचा रही है।

इसके पश्चात् श्री नितिन नवीन ने एआईपीएच कैंपस में भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान अंतर्गत भुबनेश्वर जिला भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग प्रदर्शनी का उद्घाटन किया एवं प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। प्रदर्शनी में संगठन की विचारधारा की यात्रा को दर्शाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों के जनकल्याणकारी कार्यों एवं उपलब्धियों तथा ओडिशा में पिछले 2 वर्षों में हुए विकासात्मक प्रयासों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया। प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और उसका दायित्व भी उतना ही व्यापक है। 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए जनसेवा के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

मुख्य बिंदु

- भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भुबनेश्वर जिला भाजपा प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया और प्रशिक्षण वर्ग प्रदर्शनी का उद्घाटन किया
- राज्य को आगे बढ़ाने तथा 'विकसित ओडिशा' के निर्माण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई
- 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए जनसेवा के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रहा है

प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम के पश्चात् श्री नवीन पवित्र पुरी धाम गए, जहां उन्होंने महाप्रभु जगन्नाथ जी के दर्शन किये एवं पूजा-अर्चना की। पूजा–अर्चना के बाद श्री नवीन ने कहा कि पश्चिम बंगाल और देश के कई अन्य राज्यों में चुनावों के बाद भगवान जगन्नाथ के दर्शन करना हम सभी के लिए बड़े सौभाग्य का क्षण है। ओडिशा के मुख्यमंत्री जी और हम सभी यहां यह प्रार्थना करने आए हैं कि ओडिशा के लोगों को, देश के नागरिकों को और समाज के हर वर्ग को सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त हो। जिस तरह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और पूरे देश को लगातार भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद मिलता रहा है, उसी तरह हम भविष्य में भी विनम्रतापूर्वक उनके चरणों में शीश झुकाते रहेंगे और सदैव उनकी दिव्य कृपा की कामना करते रहेंगे। इसके पश्चात् श्री नवीन ने पुरी से लोक सभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा के निवास स्थान पर महाप्रसाद ग्रहण किया।

महाप्रभु के दर्शन के पश्चात् श्री नवीन ने प्रदेश भाजपा कार्यालय, भुबनेश्वर में प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों, मोर्चा अध्यक्षों तथा राज्य सरकार की मंत्रिपरिषद के साथ बैठक की। इन बैठकों में संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही, राज्य सरकार के कार्यों, संगठनात्मक समन्वय एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। राज्य को आगे बढ़ाने तथा 'विकसित ओडिशा' के निर्माण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का उद्घाटन

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 18 मई, 2026 को भुवनेश्वर (ओडिशा) में 'पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान' (जिला वर्ग) का शुभारंभ किया और उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। 'कमल संदेश' के साथ बातचीत में भाजपा भुवनेश्वर जिला अध्यक्ष श्री निरंजन मिश्रा और वर्ग प्रमुख श्री सुशांत जेना ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंश:

'भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया'

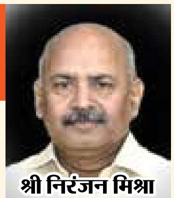
श्री निरंजन मिश्रा

भुवनेश्वर में 'प्रशिक्षण महाभियान' आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य क्या था?

जिला प्रशिक्षण महाभियान खुर्दा जिले के जटनी में आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करना, टीम वर्क को बढ़ावा देना और जिले में पार्टी के संगठन व एकता को और अधिक सुदृढ़ बनाना था।

आपके जिले में कितने कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया?

इस पहल के माध्यम से भुवनेश्वर जिले के कुल 237 पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण शिविर के लिए वक्ताओं की सूची कैसे तैयार की गई थी?

वक्ताओं की सूची राज्य पदाधिकारियों के बीच चर्चा के बाद अंतिम रूप दी गई थी। प्रभावी और सार्थक प्रशिक्षण सत्र सुनिश्चित करने के लिए वक्ताओं को उनकी विशेषज्ञता, अनुभव और रुचि के क्षेत्रों के आधार पर विषय सौंपे गए थे।

प्रशिक्षण शिविर में क्या-क्या व्यवस्थाएं की गई थीं?

दो दिवसीय कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। राज्य कार्यालय से प्रशिक्षण स्थल तक परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। पुरुष और महिला प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग आवास की व्यवस्था की गई थी। पूरे कार्यक्रम के दौरान जलपान, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। सभी व्यवस्थाओं की देखरेख करने और कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित प्रबंधन समिति का गठन किया गया था।

इस कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति कितनी महत्वपूर्ण थी?

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन की उपस्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक थी। विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के नेता के रूप में उनकी भागीदारी ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को बहुत अधिक प्रेरित किया। प्रतिभागियों के साथ उनके संवाद ने इस कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया और पार्टी की विचारधारा और संगठनात्मक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ किया। ■

वर्ग का उद्देश्य एक अनुशासित, समर्पित और वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध कार्यकर्ता तैयार करना है

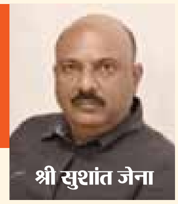
श्री सुशांत जेना

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में किन मुख्य विषयों पर चर्चा की गई?

जिला प्रशिक्षण शिविर के पहले दिन पार्टी के विस्तार, कार्यकर्ताओं के विकास, हमारे विस्तृत संगठनात्मक परिवार को समझने और पारंपरिक मीडिया एवं सोशल मीडिया, दोनों मंचों पर पार्टी की उपस्थिति को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चाएं हुईं। दूसरे दिन, केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न गरीब-समर्थक कल्याणकारी योजनाओं एवं विकासात्मक पहलों पर चर्चा हुई।

इस कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने क्या संदेश दिया?

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और लोगों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया। जमीनी स्तर के सशक्तीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से 'पंचायत से संसद' तक एक मजबूत और जीवंत संगठनात्मक ढांचा तैयार करने का आग्रह किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं से किस तरह की अपेक्षाएं की जाती हैं?

पं. दीनदयाल प्रशिक्षण महाभियान का उद्देश्य एक अनुशासित, समर्पित और वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध कार्यकर्ता तैयार करना है। प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक अनुशासन, पार्टी के इतिहास और विकास, बूथ प्रबंधन और प्रभावी जनसंपर्क रणनीतियों के बारे में मूल्यवान ज्ञान प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण से संगठनात्मक स्तर पर मजबूत होने और पार्टी कार्यकर्ताओं की कार्यक्षमता में वृद्धि होने की अपेक्षा की जाती है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी किस हद तक रही?

प्रशिक्षण शिविर में महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। कुल 237 प्रतिभागियों में से 32 महिलाएं और 90 युवा प्रशिक्षु थे। उनकी उत्साहपूर्ण सहभागिता महिलाओं और युवा कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी भूमिका को बढ़ाने के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ■

लेख

विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता

एरिक सोल्हेम

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण के पूर्व अध्यक्ष

पश्चिमी देशों के नेताओं को नरेन्द्र मोदी द्वारा पर्यावरण पर लगातार दिए जाने वाले जोर से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है

दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार, 18 मई को नॉर्वे की यात्रा पर जाएंगे। यहां किंग हेराल्ड उनका स्वागत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस यात्रा के दौरान भारतीय व्यापारों को बढ़ावा देंगे, वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से मिलेंगे और भारत-नॉर्डिक देशों के प्रधानमंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। नॉर्डिक देशों के प्रधानमंत्रियों को मोदी की बात ध्यान से सुननी चाहिए, क्योंकि उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

जहां नॉर्डिक देशों के प्रधानमंत्रियों की लोकप्रियता अपने देश में मुश्किल से 30 प्रतिशत तक है, वहीं मोदी की लोकप्रियता करीब 70 प्रतिशत है। दुनिया के किसी बड़े देश का नेता अपने देश में मोदी जितना लोकप्रिय नहीं है।

मोदी पिछले 12 साल से ज्यादा समय से भारत की सत्ता में हैं। अगर वह फिर चुनाव लड़ते हैं, तो सभी संकेत बताते हैं कि उन्हें फिर से जीत हासिल हो सकती है। यूरोप के नेताओं के लिए यह केवल एक सपने जैसा है। उनकी सफलता के पीछे तेज आर्थिक विकास, मजबूत विचारधारा, दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और उनकी निजी जीवन यात्रा का बड़ा योगदान है।

मोदी पिछले 12 साल से ज्यादा समय से भारत की सत्ता में हैं। अगर वह फिर चुनाव लड़ते हैं, तो सभी संकेत बताते हैं कि उन्हें फिर से जीत हासिल हो सकती है। यूरोप के नेताओं के लिए यह केवल एक सपने जैसा है। उनकी सफलता के पीछे तेज आर्थिक विकास, मजबूत विचारधारा, दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और उनकी निजी जीवन यात्रा का बड़ा योगदान है

मोदी की पृष्ठभूमि दुनिया के ज्यादातर नेताओं से बिल्कुल अलग है। दुनिया के अधिकतर राष्ट्राध्यक्ष उच्च मध्यम वर्ग से आते हैं, लेकिन मोदी का बचपन बहुत साधारण था। उनके माता-पिता गुजरात के छोटे से कस्बे वडनगर के रेलवे स्टेशन पर चाय बेचते थे। यह कस्बा इतना छोटा है कि भारत में भी मुश्किल से कुछ ही लोग इसका नाम जानते थे। मोदी आज जहां हैं, वहां तक अपने खुद के बलबूते पर पहुंचे हैं और इसमें हिंदू राष्ट्रवादी आंदोलन का भी बड़ा योगदान रहा है। वह नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री Einar Gerhardsen की तरह हैं — खुद सीखने वाले और मजबूत संगठनकर्ता।

मोदी ऐसे समय में भारत का नेतृत्व कर रहे हैं जब देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस विकास में उनका स्वयं का भी बड़ा योगदान है। भारत की अर्थव्यवस्था इस समय 7 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है जोकि चीन से भी तेज है और दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से काफी आगे है।

हालांकि, विकास हर जगह समान नहीं है। भारत के अमीर और गरीब राज्यों के बीच बड़ा अंतर है। भारत के पास चीन जैसी बहुत बड़ी शिक्षित workforce नहीं है। यहां अब भी नौकरशाही ज्यादा है और भारत अभी तक वैश्विक बाजार में निर्यात के लिए कोई प्रमुख उद्योग विकसित नहीं कर पाया है। लेकिन अगर विकास की यह दर बनी रही, तो 2050 तक भारत की अर्थव्यवस्था चार गुना हो जाएगी। तब भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है और अमेरिका को चुनौती देगा।

मैं भारत के लगभग हर राज्य में गया हूं और हर जगह विकास के संकेत दिखाई देते हैं। नए और आधुनिक एयरपोर्ट बन रहे हैं। दूर-दराज के इलाकों तक अच्छी सड़कें पहुंच रही हैं। गुजरात में दुनिया का सबसे बड़ा सोलर पार्क बन रहा है और आंध्र प्रदेश में दुनिया का सबसे बड़ा सोलर-विंड-हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट तैयार हो रहा है।

मोदी हरित विकास यानी ग्रीन ग्रोथ के सबसे बड़े समर्थक हैं। भारत आज दुनिया में सौर और पवन ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। अगर भारत अमेरिका को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच जाए तो इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए। पिछले साल भारत में कोयले से होने वाला प्रदूषण पहली बार कम हुआ।

पश्चिमी देशों के नेता मोदी द्वारा लगातार दिए जाने वाले पर्यावरण संदेश से बहुत कुछ सीख सकते हैं। मैं कई सम्मेलनों में गया हूं जहां मोदी मुख्य वक्ता रहे हैं। मोदी लगभग कभी जलवायु समझौतों या उत्सर्जन की बात नहीं करते। वह लोगों से पर्यावरण बचाने के लिए त्याग करने की अपील भी नहीं करते। उनका संदेश साफ होता है कि भारत 1.5 अरब लोगों को गरीबी से बाहर निकाल सकता है और यह काम ग्रीन ग्रोथ के जरिए किया जा सकता है। अब अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच चुनाव करने की जरूरत नहीं है।

अगर अगला चुनाव धर्मनिरपेक्ष पार्टियां जीत भी जाएं, तब भी भारत

शेष पृष्ठ 34 पर...

लेख

नरेन्द्र मोदी अपने आलोचकों को लगातार मात दे रहे हैं

बिल ड्रेक्सल
सीनियर फेलो, हडसन इंस्टीट्यूट

सालों से, पश्चिमी उदारवादी और भारत का विपक्ष, दोनों ही खुद को एक सिद्धांत से सांत्वना देते रहे हैं: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक तानाशाह हैं; भारत की अभिभूत करने वाली विविधता, किसी 'मज़बूत नेता' के शासन के साथ मेल नहीं खाती; और इसलिए, उनकी 'अनुदारवादी' सोच का नतीजा स्वाभाविक रूप से उनके ही खिलाफ जाएगा।

इस सिद्धांत को शायद अब तक का सबसे बड़ा झटका सोमवार को लगा, जब मोदी की भारतीय जनता पार्टी जो इतिहास की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है ने उन राज्यों में से एक पर जीत दर्ज की, जहां उनकी पार्टी के लिए पहुंच बनाना सबसे ज़्यादा असंभव माना जाता था: एक बेहद स्वतंत्र और सांस्कृतिक रूप से अलग क्षेत्र, जिसकी आबादी कैलिफोर्निया, टेक्सास और न्यूयॉर्क की कुल आबादी से भी अधिक है। विपक्ष के लिए यही बेहतर होगा कि वह अपनी इस हार से कुछ सीखने की कोशिश करे।

सोमवार की मतगणना ने सिर्फ़ एक राज्य में सत्ता बदलने से कहीं ज़्यादा काम किया। दशकों से, भारत की सबसे ताक़तवर क्षेत्रीय पार्टियां बीजेपी के राष्ट्रीय विस्तार के रास्ते में सबसे मज़बूत बाधा रही हैं ये ऐसी राजनीतिक पार्टियां हैं, जिनकी जड़ें स्थानीय स्तर पर बहुत गहरी हैं, जो अपने राज्यों की भाषा और पहचान को अच्छे से समझती हैं और जिनमें बीजेपी की मुख्य रूप से उत्तर भारतीय, हिंदी-भाषी संस्कृति अक्सर सेंध लगाने में नाकाम रही है। पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस, जिसका नेतृत्व प्रभावशाली ममता बनर्जी करती हैं, इनमें से सबसे प्रमुख थी, जिसने इस विचार को और मज़बूती दी कि भारत की विविधता इतनी विशाल है कि कोई भी पार्टी इसे पूरी तरह से एक सूत्र में नहीं पिरो सकती - एक ऐसी पार्टी के लिए तो बिल्कुल भी नहीं, जो सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की किसी विशिष्ट और आक्रामक दृष्टि को आगे बढ़ा रही हो। सोमवार को बनर्जी को पराजित करके, बीजेपी ने यह साबित कर दिया कि अब वह उन क्षेत्रीय और सांस्कृतिक बाधाओं को भी तोड़ सकती है, जो उसे आगे बढ़ने से रोकती थीं।

इस जीत से पहले भी बीजेपी के उभार से जुड़े आंकड़े पहले से ही चौंकाने वाले थे। बीजेपी के 140 मिलियन सदस्य हैं, जो पूरी दुनिया की किसी भी राजनीतिक पार्टी से अधिक हैं; यह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी जो इसकी एकमात्र समकक्ष है - की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। मानव इतिहास में किसी भी राजनेता की तुलना में मोदी को सबसे ज़्यादा वोट मिले हैं, और यह अंतर सैकड़ों मिलियन का है। मॉर्निंग कंसल्ट के वैश्विक नेता अनुमोदन ट्रैकर में मोदी ने कई सालों से दुनिया के हर दूसरे लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेता को आसानी से पीछे छोड़ दिया है, भले ही उनका कार्यकाल कितना भी लंबा रहा हो। उन पैमानों के हिसाब से, जो लोकतंत्र में सत्ता का मतलब होते हैं, हिंदू दक्षिणपंथ पहले से ही समकालीन दुनिया का सबसे सफल राजनीतिक आंदोलन बन चुका है।

आलोचक इसके जवाब में कहते हैं और उनके पास इसके कारण भी हैं कि चुनावी सफलताएं ही लोकतांत्रिक ताकत को मापने का एकमात्र तरीका नहीं हैं और यह कि बीजेपी और व्यापक हिंदू राष्ट्रवादी आंदोलन ने भारत की उदार संस्थाओं, प्रेस की आज़ादी और बहुलवादी सामाजिक ताने-बाने को कमज़ोर किया है, जिसके तहत उनके शासन में अल्पसंख्यकों को बढ़ती हिंसा और भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

वे आगे यह भी दावा करते हैं कि चुनाव उतने सरल नहीं हैं, जितने वे दिखते हैं और वे बीजेपी पर चुनावी प्रक्रिया को अपने पक्ष में झुकाने का आरोप लगाते हैं— जैसे कि चुनाव आयोग में अपने लोगों को बिठाना और एक ऐसी चंदा योजना तैयार करना, जिसने पार्टी को अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में भारी वित्तीय लाभ पहुंचाया। हालांकि, यह योजना अब खत्म हो चुकी है। पश्चिम बंगाल के चुनावों में भी एक विवाद खड़ा हो गया था, जब चुनाव आयोग ने मतदाता-सूची से लगभग 9 मिलियन नाम हटा दिए थे, जो मतदाताओं की कुल संख्या के लगभग 12 प्रतिशत थे। समर्थकों ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि ये नाम दोहराव, अयोग्य या मृत मतदाताओं के थे, जबकि आलोचकों ने मुस्लिम अल्पसंख्यकों को बोट देने

बीजेपी के 140 मिलियन सदस्य हैं, जो पूरी दुनिया की किसी भी राजनीतिक पार्टी से अधिक हैं; यह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी जो इसकी एकमात्र समकक्ष है - की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। मानव इतिहास में किसी भी राजनेता की तुलना में मोदी को सबसे ज़्यादा वोट मिले हैं, और यह अंतर सैकड़ों मिलियन का है। मॉर्निंग कंसल्ट के वैश्विक नेता अनुमोदन ट्रैकर में मोदी ने कई सालों से दुनिया के हर दूसरे लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेता को आसानी से पीछे छोड़ दिया है, भले ही उनका कार्यकाल कितना भी लंबा रहा हो

के अधिकार से वंचित करने के एक हथियार के तौर पर इसकी निंदा की, क्योंकि ये अल्पसंख्यक मुख्य रूप से विपक्षी पार्टियों को वोट देते हैं।

लेकिन बीजेपी की सफलताओं के पीछे केवल चुनावी रणनीति ही नहीं है। सोमवार को पार्टी ने पश्चिम बंगाल की दो-तिहाई से ज़्यादा सीटें जीतीं, और 50 साल से भी कम समय में एक छोटी सी पार्टी से बढ़कर 21 राज्यों का नेतृत्व करने वाली पार्टी बन गई जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, जिसने भारत को आज़ादी दिलाई थी, अब सिर्फ चार राज्यों तक सिमट गई है।

मुख्य प्रतिद्वंद्वी के साथ यह अंतर बहुत कुछ सिखाता है। कांग्रेस पार्टी को अपना प्रभुत्व विरासत में मिला थाः इसने स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया, भारत के अंग्रेज़ी बोलने वाले पढ़े-लिखे तबके का भरोसा जीता, देश के पहले 50 सालों में ज़्यादातर समय तक राज किया, देश के लिए संस्थाएं बनाईं— ये संस्थाएं समाज को प्रबंधित करने के बारे में उस समय के लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय विचारों से प्रेरित थीं। बीजेपी ने अपना प्रभुत्व कड़ी मेहनत से बनाया— ज़मीन से जुड़कर, दशकों तक ज़मीनी स्तर पर संगठन बनाकर और बड़ी मेहनत से एक ऐसा गठबंधन तैयार करके, जिसमें अब अलग-अलग जातियों, भाषाओं, क्षेत्रों और धार्मिक परंपराओं के लोग शामिल हैं ऐसे लोग, जिनके पास अन्यथा साथ में मतदान करने का कोई खास कारण नहीं होता है।

इसकी आधारशिला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का संघ परिवार या 'संगठन परिवार' है। आरएसएस एक हिंदू राष्ट्रवादी स्वयंसेवी संगठन है, जो अब सौ साल पुराना हो चुका है। इसका मुख्य उद्देश्य लाखों कार्यकर्ताओं और दर्जनों ऐसे संगठनों को तैयार करना है, जो हिंदू समाज को पुनर्जीवित करने के इसके दृष्टिकोण को साकार करने के लिए समर्पित हों। बीजेपी के साथ मिलकर आरएसएस उन अन्य संगठनों के नेटवर्क के ज़रिए अपना संदेश फैलाता है, जिनकी स्थापना उसने बीजेपी के साथ ही की थीः जैसे भारत का सबसे बड़ा मज़दूर संघ, निजी स्कूलों का सबसे बड़ा नेटवर्क, सबसे बड़ा छात्र-संगठन और हिंदू धार्मिक नेतृत्व की सबसे प्रभावशाली परिषद्— ये तो बस कुछ ही उदाहरण हैं। भारतीय समाज में ज़मीनी स्तर पर, वैचारिक और सामाजिक संबंधों का यह अनूठा ताना-बाना— जिसमें कठोर सौदेबाज़ी और गठबंधन बनाने की चतुर कला भी शामिल है—बीजेपी के असाधारण उदय की नींव रहा है।

जब भारत दुनिया की महान शक्तियों में अपनी जगह बना रहा है, ठीक उसी समय बीजेपी अपनी सत्ता को और मज़बूत कर रही हैः आबादी के हिसाब से सबसे बड़ा, सैन्य कर्मियों के हिसाब से दूसरा सबसे बड़ा, अर्थव्यवस्था के संदर्भ में तीसरा सबसे बड़ा बनने की राह पर और एशिया में चीन का संतुलन करने की क्षमता रखने वाला एकमात्र देश। पश्चिम बंगाल में सोमवार को मिली जीत यह दिखाती है कि बीजेपी का उभार अभी अपनी उच्चतम सीमा तक नहीं पहुंचा है।

बीजेपी के विरोधी उस न्याय की प्रतीक्षा कर सकते हैं, जिसकी भविष्यवाणी वे लंबे समय से करते आ रहे हैं। वह समय आ भी सकता है। लेकिन जो कोई भी मौजूदा हालात को देख रहा है, उसे इसके बजाय आने वाले दशकों के भारत और एशिया में सत्ता के संतुलन के लिए तैयार रहना चाहिए, जिसे काफी हद तक 'हिंदू दक्षिणपंथी' ही आकार देंगे। ■

(साभारः द वॉशिंगटन पोस्ट)

पृष्ठ ३१ का शेष भाग...

की मुख्य विचारधारा हिंदू राष्ट्रवाद ही रहेगी। हिंदू राष्ट्रवाद उस सवाल का भारत का जवाब है जिसका सामना औद्योगिक क्रांति के बाद लगभग हर गैर-पश्चिमी देश ने किया। सवाल यह था कि आधुनिक कैसे बनें, लेकिन पूरी तरह पश्चिम जैसा बने बिना। इस रास्ते को सबसे पहले जापान ने अपनाया। जापान आधुनिक भी बना और अपनी संस्कृति से भी जुड़ा रहा। आज दक्षिण कोरिया जापान से ज्यादा अमीर है और अपनी संस्कृति व संगीत को पूरी दुनिया तक पहुंचा रहा है। चीन भी अपनी आधुनिकता को कन्फ्यूशियस विचारधारा, ताओवाद और बौद्ध धर्म जैसी अपनी परंपराओं से जोड़ता है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस समय दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। इसके 10 करोड़ से ज्यादा सदस्य हैं। उत्तर और मध्य भारत के हर क्षेत्र में पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता मौजूद हैं। भाजपा ने भारत में एक अनोखी सफलता हासिल की है। उसे ऊंची जातियों, पिछड़ी जातियों और दलित समुदायों से एक समान समर्थन मिलता है। पार्टी को भारत के अरबपतियों का भी समर्थन है और दूरदराज के आदिवासी इलाकों का भी।

पश्चिमी देशों के कई विश्लेषक भाजपा की आलोचना करते रहते हैं। आलोचक एक बात उचित कहते हैं कि भाजपा हिंदुओं को एकजुट करने की बात करती है। लेकिन ऐसा कोई बड़ा प्रमाण नहीं है कि भाजपा के शासनकाल में हिंदू-मुस्लिम संघर्ष बढ़े हों। कांग्रेस के समय ज्यादा हिंसा और दंगे हुए थे। पड़ोसी देशों से लाखों मुसलमान भारत आ रहे हैं, जबकि बहुत कम मुसलमान भारत छोड़कर जा रहे हैं।

लेकिन भाजपा का यह कहना कि इस्लाम और ईसाई धर्म विदेशी धर्म हैं, और मुस्लिम आक्रमणों को ब्रिटिश शासन के बराबर मानना, कई मुसलमानों में असुरक्षा पैदा करता है। भाजपा के कई सुझाव सामान्य समझ वाले लगते हैं। जैसे कि यह विचार कि कोई अलग विवाह कानून नहीं होना चाहिए जिसके तहत मुस्लिम पुरुष अन्य पुरुषों की तुलना में अधिक आसानी से तलाक ले सकें। लेकिन एक नए और मजबूत हिंदू पहचान वाले भारत के निर्माण में असली परीक्षा यह होगी कि क्या भाजपा दुनिया के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय- भारत के 20 करोड़ मुसलमानों को भी साथ लेकर चल पाती है।

भारत दुनिया का एकमात्र बड़ा और गरीब पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश है जिसने लोकतंत्र का रास्ता चुना। इसका श्रेय ब्रिटिश शासन को नहीं दिया जा सकता। अगर ऐसा होता, तो पाकिस्तान, म्यांमार और खाड़ी देशों में भी लोकतंत्र होता। भारत लोकतांत्रिक इसलिए है क्योंकि लोकतंत्र भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहराई से जुड़ा हुआ है।

आज की दुनिया में नॉर्वे जैसे देशों को नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए नए सहयोगियों की जरूरत है। नॉर्वे के व्यापार को भी नए अवसर चाहिए। ऐसे में भारत के साथ मजबूत संबंध दोनों देशों के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए केवल भाषण देने की नहीं, बल्कि भारत की बात सुनने की भी जरूरत है। अगर ऐसा हुआ, तो दोनों देशों के लिए कई नए अवसर खुल सकते हैं। ■

(साभारः डीएन)

सोमनाथ मंदिर (गुजरात) में 11 मई, 2026 को आयोजित 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' में शामिल होते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

सोमनाथ मंदिर (गुजरात) में 11 मई, 2026 को आयोजित 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' के अवसर पर स्मारक डाक टिकट एवं विशेष सिक्के जारी करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

अबू धाबी (यूएई) में 15 मई, 2026 को भारत एवं यूएई के बीच समझौता ज्ञापनों के आदान-प्रदान के साक्षी बनते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन ज़ायेद अल नाहयान

द हेग (नीदरलैंड्स) में 16 मई, 2026 को एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत करता भारतीय समुदाय

नॉर्वे में 18 मई, 2026 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत करते भारतीय समुदाय के लोग

रोम (इटली) में 20 मई, 2026 को इटली की प्रधानमंत्री सुश्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

क्रमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 03 जून, 2026
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953

'नक्सल-मुक्त भारत मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में से एक' पुस्तिका हिन्दी एवं अंग्रेजी में प्रकाशित

पढ़ने/ डाउनलोड करने के लिए QR कोड स्कैन करें

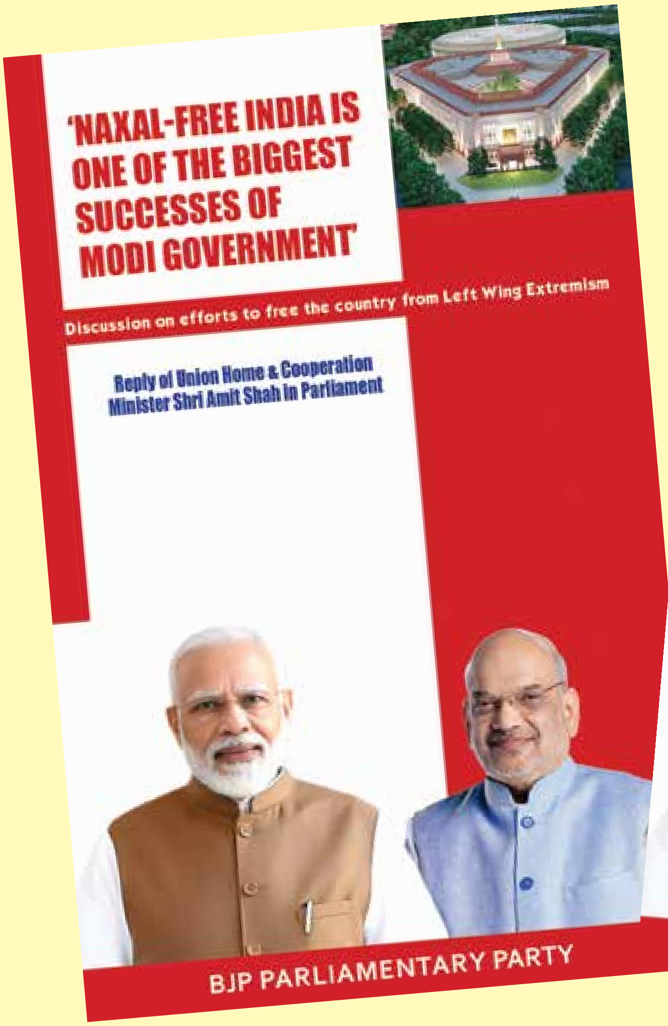

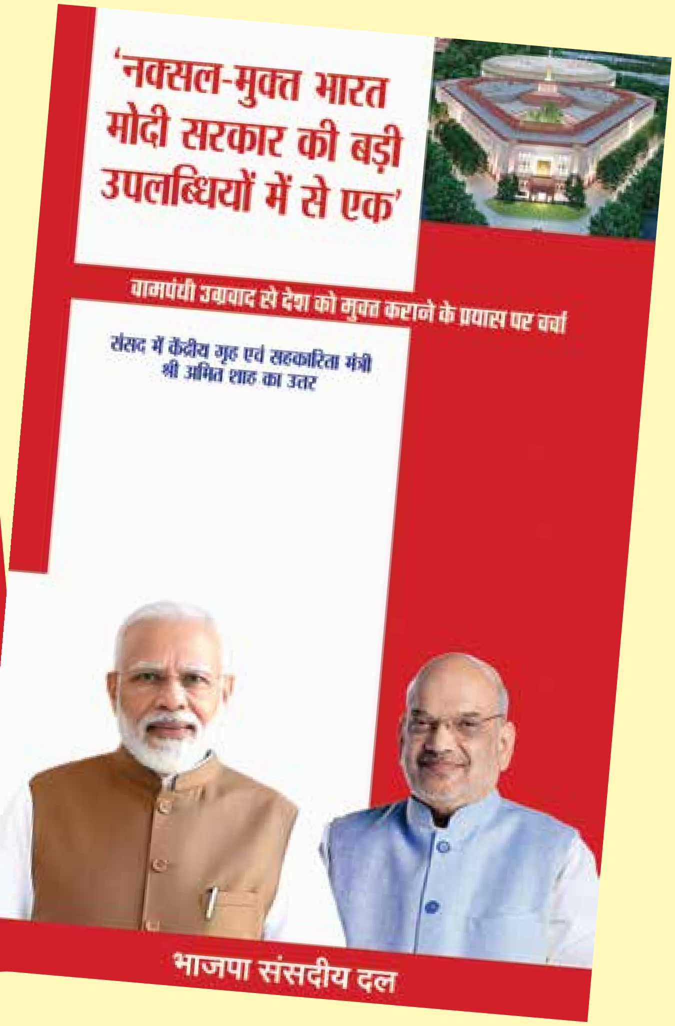

छायाकार: अजय कुमार सिंह